लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

27 अक्टूबर 2026 मंगलवार
वर्ष : 19 अंक: 115
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्यः 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth
हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep
www.lokhastakshep.com

कमजोरों को उजाड़ने और जमीन पर कब्जा करने वालों को बख्शें नहीं : योगी

लखनऊ,सवांददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कमजोर और निर्बल लोगों को उजाड़ने वाले तथा अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार 'नर सेवा–नारायण सेवा' के भाव से जनसेवा कर रही है, इसलिए हर पीड़ित की समस्या का संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनके प्रार्थना पत्र लिए और संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए भेजा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का त्वरित और संतुष्टिपरक समाधान किया जाए। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया

कि सरकार हर पीड़ित की समस्या दूर कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने कहा कि अवैध कब्जा करने वालों और कमजोर लोगों को उनकी जमीन से बेदखल करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

हालांकि, यदि जमीन–जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक है, तो संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी बातचीत के जरिए समाधान निकालने का प्रयास किया जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्व और पुलिस से संबंधित शिकायतों के निस्तारण में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। अधिकारियों को हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी समस्या का समाधान करना होगा।

सीएम योगी ने अधिकारियों से यह भी कहा कि जो लोग किसी कारणवश सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह गए हैं, उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने जनकल्याण और नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के सरकार के संकल्प के अनुरूप काम करने पर जोर दिया।

राहुल गांधी को अमित शाह पर टिप्पणी के मानहानि केस में सुल्तानपुर कोर्ट ने किया बरी

संवाददाता ,सुल्तानपुर। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से बड़ी राहत मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कथित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में अदालत ने सोमवार को उन्हें बरी कर दिया। यह मामला वर्ष 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए एक बयान को लेकर दर्ज कराया गया था। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी अदालत में मौजूद रहे। फैसले के साथ ही इस मामले में उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाही को लेकर अहम मोड़ आया है। यह मामला मई

2018 का है, जब कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। आरोप था कि इस दौरान उन्होंने बीजेपी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिससे उनकी मानहानि हुई। बीजेपी नेता और सुल्तानपुर जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ अदालत में शिकायत दाखिल की थी। शुरुआत में मामला सिविल कोर्ट में चला, जिसके बाद इसे सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली एमपी–एमएलए अदालत में स्थानांतरित किया गया

मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को आरोपी के रूप में समन जारी किया था। इसके बाद 20 फरवरी 2024 को राहुल गांधी सुल्तानपुर की अदालत में पेश हुए।

यूपी: राहुल गांधी के काफिले में हुए हादसे की होगी एसआइटी जांच

संवाददाता,लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सुल्तानपुर दौरे के दौरान उनके काफिले के पीछे चल रहे वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने घटना की परिस्थितियों और संभावित सुरक्षा चूक की पड़ताल के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया है। पुलिस मुख्यालय ने टीम को सभी पहलुओं की जांच कर जल्द विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के

निर्देश दिए हैं।

पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर गठित तीन सदस्यीय एसआईटी की अध्यक्षता लखनऊ परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस करेंगे। टीम में सुल्तानपुर के अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह और यातायात पुलिस के उपाधीक्षक राम कृष्ण चतुर्वेदी को सदस्य बनाया गया है। जांच दल घटना से जुड़े तथ्यों, वाहनों की आवाजाही और दुर्घटना के दौरान बनी परिस्थितियों की पड़ताल करेगा। इसका उद्देश्य हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाना और यह निर्धारित करना है कि कहीं यातायात या सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक तो नहीं हुई।

एसआईटी को मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर जांच करने की जिम्मेदारी दी गई है।

पहला, दुर्घटना के वास्तविक कारणों और घटनाक्रम की विस्तृत पड़ताल करना। दूसरा, वीआईपी सुरक्षा, एस्कॉर्ट व्यवस्था और यातायात प्रबंधन में किसी संभावित लापरवाही या सुरक्षा चूक का परीक्षण करना। तीसरा, भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी उपाय सुझाना।

प्रधानमंत्री मोदी पर खड़गे की टिप्पणी से नाराज भाजपा का प्रदर्शन

एजेंसी,बेंगलुरु । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में की गयी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की विवादित टिप्पणी के विरोध में भाजपा नेताओं ने सोमवार को यहां श्फ्रीडम पार्कश में प्रदर्शन किया और उनसे देश की जनता से माफी की मांग की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी। कार्यक्रम के दौरान भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने जब कहा कि मोदी नहीं जाएंगे तो खड़गे ने जवाब देते हुए कहा कि मोदी का बाप भी जाएगा, बाप भी जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने खड़गे के खिलाफ नारे लगाए, लगाए गए बैरिकेड पर चढ़ गए और विधानसौधा की ओर मार्च करने की कोशिश

की। पुलिस ने कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलावादी नारायणस्वामी, अश्वथ नारायण, सी. पी. राममूर्ति और एमएलसी एन. रविकुमार समेत भाजपा के कई नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें उप्परपेट पुलिस थाने ले गई। अशोक ने खड़गे और उनके बेटे (कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खड़गे) पर तीखा हमला करते हुए कहा, देश में कांग्रेस पार्टी को बर्बाद करने के लिए बस दो लोग ही काफी हैं – पिता और पुत्र। दोनों को वरिष्ठ खड़गे और युवा खड़गे बताते हुए उन्होंने कहा, ष्वरिष्ठ खड़गे और युवा खड़गे कांग्रेस को पूरी तरह बर्बाद कर देंगे।

4 से 6 दिसंबर तक होगा डीजीपी, आईजीपी का सम्मेलन

एजेंसी,हैदराबाद। पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) और पुलिस महानिरीक्षकों (आईजीपी) का सम्मेलन 4 से 6 दिसंबर तक तिरुपति के भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने का कार्यक्रम है। आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव जी. साई प्रसाद ने सम्मेलन की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए राज्य सचिवालय में एक अंतर–विभागीय समिति की बैठक की। सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, डीजीपी और आईजीपी सम्मेलन 4 से 6 दिसंबर तक तिरुपति के आईआईएसईआर में आयोजित किया जाएगा, ।

पुणे में चलती इलेक्ट्रिक बस में अचानक लगी आग, 20 यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

एजेंसी,पुणे । महाराष्ट्र के सोलापुर से आ रही एक इलेक्ट्रिक शिवाई बस में सोमवार को पुणे के सेवन लव्स चौक स्थित महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के मंडलीय कार्यालय के सामने आग लग गई। हालांकि, बस में सवार सभी 20 यात्री समय रहते सुरक्षित उतर गए।

दमकल अधिकारी प्रशांत गायकवाड ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। उन्होंने कहा, आग लगने की सूचना पूर्वाह्न 11 बजकर 14 मिनट पर मिली। इसके बाद दमकल की एक गाड़ी और पानी का टैंकर पूर्वाह्न 11 बजकर 20 मिनट पर घटनास्थल पर पहुंचे। छह मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। हमने बस की 10 बैटरी को सुरक्षित बचा लिया। गायकवाड ने बताया कि यहां स्वारगेट जा रही बस के चालक ने कहा कि चालक के केबिन में डैशबोर्ड के पास शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगने की आशंका है।

ब्राजील में चौथी बार राष्ट्रपति चुनाव जीते लूला दा सिल्वा, मोदी ने दी बधाई

एजेंसी,नयी दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित टिप्पणी को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। इस बयान के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दिल्ली इकाई ने राजधानी में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा समेत कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए नेताओं को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया गया। दिल्ली भाजपा ने सेना भवन सर्किल और राजा जी मार्ग के आसपास खरगे की टिप्पणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हर्ष मल्होत्रा को हिरासत में लिया। उनके साथ दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष राजेश भाटिया और महासचिव मोहन लाल गिहारा को भी हिरासत में लिया गया। इसके अलावा कई अन्य नेताओं को भी पुलिस अपने साथ ले गई। भाजपा नेताओं की हिरासत के बाद यह मामला राजनीतिक रूप से और गरमा गया। पार्टी ने खरगे की टिप्पणी को लेकर आपत्ति जताई है और नेताओं की सार्वजनिक भाषा में मर्यादा बनाए रखने की मांग की है। विवाद की शुरुआत बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई।

बेंगलुरु की आईटी कंपनियों में कन्नड़ युवाओं को नौकरी नहीं मिली तो होगी कार्रवाई : डीके शिवकुमार की चेतावनी

एजेंसी,बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने निजी कंपनियों में स्थानीय युवाओं के साथ कथित भेदभाव पर जताई नाराजगी, कहा– कन्नड़ अभ्यर्थियों के अधिकारों से समझौता नहीं करेगी सरकार। सोशल मीडिया पर एक युवती का वीडियो वायरल होने के बाद गरमाया मामला। भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने निजी संस्थानों में कन्नड़ अभ्यर्थियों के साथ कथित भेदभाव पर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि किसी कंपनी ने जानबूझकर स्थानीय उम्मीदवारों को नौकरी के अवसरों से वंचित किया, तो

राज्य सरकार उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी। शिवकुमार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कन्नड़ अभ्यर्थियों के अधिकारों, सम्मान और रोजगार के अवसरों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। बेंगलुरु की आईटी कंपनियों में कन्नड़ भाषी युवाओं को रोजगार नहीं मिलने की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। सरकार इस मामले की अनदेखी नहीं करेगी और स्थानीय युवाओं की चिंताओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि कर्नाटक को अपने युवाओं की प्रतिभा, कौशल और क्षमताओं पर गर्व है। बेंगलुरु ने वैश्विक स्तर पर भारत की प्रौद्योगिकी राजधानी के रूप में पहचान बनाई है। इस उपलब्धि में राज्य के युवाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। ऐसे में यदि किसी संस्थान की ओर से स्थानीय उम्मीदवारों को जानबूझकर नजरअंदाज किए जाने की बात सामने आती है, तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा। शिवकुमार के मुताबिक, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कन्नड़ भाषी युवाओं को रोजगार के लिए उचित अवसर मिलें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कारण से स्थानीय अभ्यर्थियों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। यह विवाद उस समय सामने आया, जब बेंगलुरु की आईटी कंपनियों में भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक युवती का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ।

आईएमए सीतापुर ने मनाया 90वां स्थापना दिवस आधुनिक चिकित्सा की नई विधाओं पर हुआ मंथन

सीता मेडिकॉन 2026 में देशभर से आए विशेषज्ञों ने दिए व्याख्यान पत्रकारों की कार्यशैली

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) सीतापुर ने 25 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 90 वर्ष पूरे होने पर 90वां स्थापना दिवस मनाया और 91वें वर्ष में प्रवेश किया। इस अवसर पर आयोजित सीता मेडिकॉन 2026 में विभिन्न जनपदों और दिल्ली से आए चिकित्सा विशेषज्ञों ने आधुनिक चिकित्सा में हुए नए आविष्कारों और उपचार की नवीन विधाओं पर व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन के साथ मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करना रहा। समारोह का उद्घाटन आईएमए उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध सर्जन डॉ. राजीव गोयल तथा आईएमए मुख्यालय दिल्ली से आए प्रसिद्ध

फिजिशियन डॉ. आनंद प्रकाश ने किया। दोनों अतिथियों ने आईएमए सीतापुर की 90 वर्षों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए संस्था को बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. पीके अग्रवाल, अध्यक्ष निर्वाचित डॉ. रवीश अग्रवाल सीतापुर के एसीएमओ डॉ. एके त्रिपाठी पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. आरके टंडन, वर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार त्रिपाठी आईएमए सीतापुर अध्यक्ष डॉ. राजकुमार श्रीवास्तव तथा कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. केडी जोशी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम एवं शाखा सचिव डॉ. शैफाली गोयल नगर शाखा उपाध्यक्ष डॉ. तरुण सैगल, कोषाध्यक्ष डॉ. गोपाल सिंह, संयुक्त सचिव डॉ. शानू कुमार वर्मा और सांस्कृतिक सचिव डॉ. शिखा गुप्ता ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच संचालन में डॉ. चित्रा वैश्य डॉ. प्रेरित जोशी और डॉ. पंकज अवस्थी का योगदान उल्लेखनीय रहा। मास्टर ऑफ सेरेमनी डॉ. शैफाली गोयल ने अपने प्रभावशाली संचालन से कार्यक्रम को पूरे समय रोचक बनाए रखा।

आयोजन को सफल बनाने में डॉ. अनुराग गोयल की सक्रिय भूमिका की विशेष सराहना की गई। उनके प्रयासों से कार्यक्रम की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हुईं। आईएमए और पीएमपी के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से जुड़े वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. जीएन सैगल डॉ. जेसी गुप्ता और डॉ. कमल बैजल की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

मुख्य अतिथि डॉ. राजीव गोयल और गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. आनंद प्रकाश ने आईएमए सीतापुर की 90वीं वर्षगांठ पर संस्था को बधाई देते हुए यहां की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन चिकित्सा क्षेत्र में नवीनतम जानकारियों के आदान–प्रदान और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आईएमए उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार त्रिपाठी ने सभी अतिथियों चिकित्सकों आयोजकों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की।

छठ महापर्व से पहले उल्ल नदी को स्वच्छ बनाने की मुहिम शुरू

सदर विधायक ने टीम संग निकाला कचरा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लोक आस्था के महापर्व छठ से पहले ऐतिहासिक उल्ल नदी को निर्मल और स्वच्छ बनाने के लिए एक विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत सदर विधायक योगेश वर्मा ने खुद अपनी टीम के साथ नदी के पानी में उतरकर कचरा साफ किया और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। नदी की सफाई के लिए चलाए गए इस विशेष अभियान में श्फ्रेंड्स फॉरएवर फाउंडेशनश ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। फाउंडेशन के अध्यक्ष राजपाल सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की टीम ने नदी से भारी मात्रा में विसर्जित मूर्तियां, पॉलिथीन, प्लास्टिक और पुरानी पूजन सामग्री को बाहर निकाला।

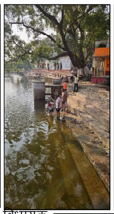

इस दौरान सदर विधायक और फाउंडेशन की टीम ने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे आस्था के इस पावन पर्व पर नदी में गंदगी न फैलाएं और इसे स्वच्छ रखने में अपना सहयोग दें। अभियान का मुख्य उद्देश्य छठ पूजा से पहले नदी और उसके घाटों को पूरी तरह साफ–सुथरा और सुंदर बनाना है, ताकि व्रतियों को अर्घ्य देने

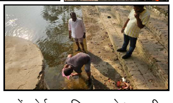

में कोई असुविधा न हो। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और सामाजिक संस्था के इस सामूहिक प्रयास की सराहना की है।

धूमधाम से मनाई गई भगवान वाल्मीकि जयंती, प्रसाद वितरण

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। तहसील क्षेत्र के कोटवा सड़क चौराहे पर सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन सफाई कर्मचारी संघ के जिला उपाध्यक्ष सुमित वाल्मीकि के नेतृत्व में किया गया।सुबह से ही वाल्मीकि समाज के लोगों ने एकत्र होकर भगवान वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा–अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महर्षि वाल्मीकि को याद किया गया और समाज को उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया गया।पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं और राहगीरों में प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान पूरा वातावरण ष्बोलो भगवान वाल्मीकि महाराज की जयष के जयकारों से गूंज उठा।

इस मौके पर सेवादार के रूप में करन वाल्मीकि, विवेक वाल्मीकि, पंकज वाल्मीकि, अमित, नीरज, अनिल, अभिषेक, ललित, ओम प्रकाश और लव वाल्मीकि समेत बड़ी संख्या में वाल्मीकि परिवार के लोग मौजूद रहे।

आवारा कुत्ते को बचाने में बाइक फिसली

बांदा,सवांददाता। जिले के तिंदवारी में पपरेंदा–तिंदवारी मार्ग पर सोमवार दोपहर एक हादसा हो गया। आवारा कुत्ते को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे चाचा–भतीजा घायल हो गए। भुजौली गांव निवासी अरविंद (34) अपने भतीजे सुधीर (25) के साथ जसपुरा से लौट रहे थे। मिरगहनी गांव के पास अचानक एक कुत्ता बाइक के सामने आ गया। कुत्ते से टकराने के बाद बाइक फिसलकर पलट गई। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिंदवारी ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मृत खिलाडियों को दी गई श्रद्धांजलि, परिजनों को चेक वितरित

सलेमपुर, देवरिया। लार पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हुए भीषण हादसे में चार होनहार खिलाड़ीयों की असामायिक मृत्यु होने पर आज समाजवादी पार्टी के तरख से रेशमा मैरेज हॉल बाई पास रोड़ लार में श्रद्धांजलि सभा एवं चेक वितरण कार्यक्रम रखा गया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए रमाशंकर राजभर ने कहा मृत्यु खिलाडियों को इस दुनिया से चला जाना इस इलाके का ही नहीं बल्कि देश का नुकसान हुआ है। कार्यक्रम के आयोजक मनबोध प्रसाद पूर्व विधायक ने मृत्यु खिलाडियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को धन्यवाद देते हुए कहा कि अगर हमारी सरकार होती तो और ज्यादा मदद किया गया होता कार्यक्रम में मृत्यु खिलाडियों के परिजनों को मंच पर बुलाकर रमाशंकर राजभर सांसद मनबोध प्रसाद स्वामीनाथ यादव ब्यास यादव के हाथों द्वारा चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरेराम यादव विधानसभा अध्यक्ष सलेमपुर, संचालन मंजूर आलम सांसद मिडिया प्रभारी सलेमपुर ने किया और कार्यक्रम के अन्त में सभी लोगों ने दो मिनट का शोक सभा मनकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम में रमाशंकर राजभर, ब्यास यादव, स्वामीनाथ यादव, मनबोध प्रसाद, पूर्व विधायक ओ पी यादव, रामप्रकाश यादव , सुरज यादव , मंजूर आलम, उमेश यादव , पवन यादव, गोरख यादव, विजय यादव, टुन्नु वर्मा ,पवन यादव , ब्लाक अध्यक्ष महफूज लारी , शाकीर, राजीत यादव , अशरफ अली, मान सिंह ,पंकज श्रीवास्तव, रवि खरवार , मुकुल मणि, रवि यादव, चंद्रपाल यादव, विरेन्द्र यादव, धिरेनदर सिंह , सोमेश्वर तिवारी, वजुहल कमर सिद्दीकी , इमरान खान , हरे राम शर्मा , मोहित सर, ट्रेनर नागेंद्र पासवान, योगेश यादव, प्रभा भारती, सन्त लाल राजभर , चंद्रपाल यादव, बृजेश यादव आदि लोग उपस्थित थे।

कंपोजिट माखी में न्याय पंचायत स्तरीय विद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

माखी, उन्नाव। कंपोजिट विद्यालय माखी में न्याय पंचायत स्तरीय विद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्ण एवं खेल भावना से ओतप्रोत वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी मियागंज मनींद्र कुमार ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

इस अवसर पर नोडल संकुल शिक्षक आशीष सिंह ने मुख्य अतिथि मनींद्र कुमार एवं उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ, जनपद उन्नाव

के जिलाध्यक्ष कृष्ण शंकर मिश्र का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

प्रतियोगिता में न्याय पंचायत के समस्त विद्यालयों के शिक्षकों ने अपने–अपने विद्यालयों के बच्चों के साथ उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। खेलकूद की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग, आत्मविश्वास, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं टीम भावना जैसे गुणों को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर शिक्षकगण सुजीत गुप्ता, आशुतोष सिंह, आदित्य कुमार सिंह, शिशुपाल सिंह, चक्र सुदर्शन सिंह शिवम सिंह धीरज जायसवाल, अखिलेश सिंह, मनोरमा शुक्ला, सौरभ सिंह, चेतराम गौतम, असमा जफरी, तृप्ति मिश्रा, प्रताप मिश्र, ज्योतिमा मिश्र, वंदना शुक्ला, पिंकी त्रिवेदी, शुभम मिश्रा एवं पीयूष मिश्रा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। साथ ही जूनियर शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष शिव कुमार तिवारी की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को सफल और प्रेरणादायी बनाया। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ–साथ उनमें खेलों के प्रति रुचि, स्वस्थ जीवनशैली एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

चोरों ने दो घरों में सेंध लगाई, रुपये जेवर गायब

उरई/जालौन,सवांददाता। जालौन के हनुमानगढ़ी गांव में चोरों ने एक ही रात में दो घरों को निशाना बनाया। जंगला काटकर एक घर से 15 हजार रुपये नकद चुराए गए। दूसरे घर में बक्सा तोड़कर जेवर गायब होने की आशंका है। पुलिस जांच कर रही है। विजय बहादुर प्रजापति के घर चोरी तब हुई, जब वह खेत पर थे। पत्नी पुष्पा देवी अकेली थीं। सुबह 4 बजे आहट सुनकर उन्होंने कमरा बंद कर लिया। चोरों ने उनके कमरे का दरवाजा बाहर से बांध दिया था।

संदिग्ध परिस्थितियों में गोवंश की मौत जांच के लिए मथुरा लैब भेजे गए सैंपल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

मैगलगंज (लखीमपुर खीरी)। कस्बा मैगलगंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम औरंगाबाद में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत गोवंश मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और पशुपालन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार सुबह पशु चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज वर्मा के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक विशेष टीम औरंगाबाद गांव पहुंची। टीम ने घटनास्थल पर पड़े मृत गोवंश का बारीकी से निरीक्षण किया और मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए जरूरी विसरा व अन्य सैंपल एकत्र किए। डॉ. वर्मा ने बताया कि मौत की सटीक वजह जानने के लिए इन सैंपलों को तुरंत फॉरेंसिक इन्वेस्टिगेशन लेबोरेटरी, मथुरा भेजा जा रहा है। गोवंश की मौत की खबर फैलते ही गांव में किसी भी प्रकार का तनाव या अप्रिय स्थिति न बने, इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत अलर्ट मोड पर आ गया। औरंगाबाद चौकी इंचार्ज अजीत मिश्रा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर डटे रहे। उनके साथ आरक्षी अमित गुप्ता, अजय, भूपेंद्र और अभिषेक गंगवार ने मोर्चा संभाला और पूरे क्षेत्र में गश्त कर शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखी।

उन्नाव में महर्षि वाल्मीकि और गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती मनाई गई

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फैज फारूकी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि और स्वाधीनता संग्राम सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती मनाई गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने गणेश शंकर विद्यार्थी के बलिदान को याद करते हुए कहा कि 25 मार्च 1931 को कानपुर दंगों में बेगुनाहों की जान बचाते हुए वे शहीद हो गए थे। वहीं, महर्षि वाल्मीकि को रामायण के रचयिता और संस्कृत के आदि कवि के रूप में याद किया गया। इस अवसर पर सलमान शाहिद, बिलाल शाह, सुरेश श्रीवास्तव, मनोजलाल, यूसुफ फारूकी और अजय गौतम सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

उरई/जालौन,सवांददाता। जालौन के नदीगांव थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार लोडर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों की वजह से हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक को काफी चोटें आईं। दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत घायल युवक को पास के अस्पताल पहुंचाया। घटना की खबर मिलते ही नदीगांव थाना के एसओ राजकुमार चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सेंट जूड्स कॉलेज के 52वें स्थापना दिवस पर हेल्थ रन का आयोजन, 550 छात्र दौड़े

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। सेंट जूड्स कॉलेज के 52वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को विद्यालय परिसर में 'हेल्थ रन 2026' मैराथन का आयोजन किया गया। इस वर्ष दौड़ की थीम 'स्वास्थ्य के लिए दौड़ें, फिटनेस के लिए दौड़ें, एक स्वस्थ उन्नाव के लिए दौड़ें रखी गई थी, जिसका उद्देश्य युवाओं को शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। विद्यालय की प्रबंधक अरिशा अजीम ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उन्नाव जनपद के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 550 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सुबह

6रू30 बजे सेंट जूड्स सीबीएसई स्कूल ग्राउंड (दरोगा बाग) से शुरू हुई यह 3.5 किलोमीटर लंबी दौड़ आशा हॉस्पिटल हाउस और हरदोई फ्लाईओवर से होते हुए सेंट जूड्स कॉलेज ग्राउंड (पीतांबर नगर) पर संपन्न हुई।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले धावकों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसमें अनुपम यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ₹15,000, पंकज ने द्वितीय स्थान पाकर ₹10,000 और कुलदीप यादव ने तीसरा स्थान हासिल कर ₹5,000 का चेक जीता। चौथे स्थान पर रही एक बालिका को भी नकद पुरस्कार दिया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन प्रमाणपत्र बांटे गए। दौड़ के समापन पर मुख्य अतिथि और अंतरराष्ट्रीय योग व जीवनशैली कोच डॉ. अमित गौरिया ने छात्रों को योग और संतुलित दिनचर्या के महत्व को समझाया। इस दौरान छात्रों को मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़े टिप्स भी दिए गए। कार्यक्रम में फहद अजीम, सेंट जूड्स विधि महाविद्यालय के प्रबंधक सुल्तान अहमद, प्रधानाचार्या ऋचा शर्मा सिंह, विभागाध्यक्ष अनुपम सिंह सहित सभी शिक्षक और स्टाफ मौजूद रहे।

बंडा पुलिस ने 711 ग्राम अफीम के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

शाहजहांपुर,सवांददाता। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बंडा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सुनासिरनाथ जाने वाले मार्ग पर आलमपुर मोड़ के पास स्थित एक बाग से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 711 ग्राम अवैध अफीम बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकित कुमार निवासी अरेली, थाना निगोही, हरिओम राठौर निवासी बाबा चरनदास कॉलोनी, थाना बंडा और शिवांशू वर्मा उर्फ सक्षम निवासी पटनी, थाना बंडा के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन, 350 रुपये नकद और एक हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी बरामद की है। इस मामले में थाना बंडा पर मुकदमा संख्या 498/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 में अभियोग दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि वे बाहरी व्यक्तियों से अफीम खरीदते थे और इसकी बिक्री से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल अपने पारिवारिक खर्चों के लिए करते थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से हरिओम राठौर के खिलाफ वर्ष 2025 में आर्म्स एक्ट का एक मुकदमा भी दर्ज है।

गांव-मोहल्लों में पुलिस के डिजिटल मुखबिर, एक क्लिक पर मिल रही अहम जानकारी

शाहजहांपुर,सवांददाता। जिले में पुलिसिंग को स्मार्ट और प्रभावी बनाने में सी–प्लान (कम्युनिटी पुलिसिंग प्लान) ऐप अहम भूमिका निभा रहा है। गांवों से लेकर शहरी मोहल्लों तक पुलिस ने नागरिकों का ऐसा नेटवर्क तैयार किया है, जो अपराध से जुड़ी जानकारी जुटाने और गुमशुदा लोगों को उनके परिवार तक पहुंचाने में मददगार साबित हो रहा है। अब तक जिले में 52,853 नागरिक इस नेटवर्क से जोड़े जा चुके हैं। इनमें ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य, शिक्षक और अन्य संभ्रांत नागरिक शामिल हैं। सुल्तानपुर जिले के हरचंदपुर गांव निवासी रामसुख यादव 19 अक्टूबर को तिलहर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद रास्ता भटक गए थे। उनकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। परिजनों ने बरेली, शाहजहांपुर और हरदोई समेत कई स्टेशनों पर सीसीटीवी फुटेज खंगाले, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। 21 अक्टूबर को रामसुख तिलहर की बिरसिंहपुर चौकी के पास पुलिस को मिले। पूछताछ के बाद पुलिस ने सी–प्लान ऐप के माध्यम से उनके गांव की जानकारी जुटाई। ऐप पर ग्राम प्रशासक प्रेम कुमार यादव और पूर्व प्रधान सज्जन लाल गुप्ता के मोबाइल नंबर मिले। उनसे संपर्क करने पर रामसुख के परिजनों तक पहुंचने का रास्ता साफ हो गया। बंडा क्षेत्र में बलवीर सिंह को सोलर पैनल लगवाने का झांसा देकर धोखाधड़ी की गई और उनके नाम पर ऋण निकाल लिया गया। पुलिस की जांच में बरेली के कुछ लोगों के नाम सामने आए। इसके बाद सी–प्लान ऐप में संबंधित गांव के संभ्रांत नागरिकों के दर्ज मोबाइल नंबरों के जरिये आरोपितों से संपर्क किया गया और उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया। इससे विवेचना को आगे बढ़ाने में मदद मिली और मामले में अन्य व्यक्तियों के नाम भी सामने आए। सी–प्लान ऐप केवल संपर्कों का रिकॉर्ड रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस के लिए सूचनाओं का प्रभावी माध्यम भी बन रहा है। अक्टूबर में ऐप पर दर्ज मोबाइल नंबरों पर पुलिस ने 558 फोन किए।

इनमें 139 प्रकरणों का आसानी से निस्तारण किया गया, जबकि अन्य मामलों में भी पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं।

लखनऊ के सआदतगंज में दिनदहाड़े ट्रिपल मर्डर पिता-बेटे और भाई की गोली मारकर हत्या

कार पार्किंग को लेकर पुराना विवाद फिर भड़का, 5 दिसंबर को होनी थी बेटे की शादी

लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र के नौबस्ता स्थित ब्राह्मण टोला में सोमवार सुबह करीब 10:35 बजे ताबड़तोड़ फायरिंग से सनसनी फैल गई। एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान शिवाजी तिवारी (62), उनके भाई शिवेंद्र तिवारी उर्फ शंभु और बेटे सुयश (30) के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, शिवाजी और सुयश की मौके पर मौत हो गई, जबकि शंभु ने ट्रॉमा सेंटर में दम तोड़ दिया। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने बताया कि आरोपी को पिस्टल समेत गिरफ्तार कर लिया गया है। शिवाजी तिवारी सचिवालय के सेवानिवृत्त कर्मचारी थे और RS में जिला सर कार्यवाह रह चुके थे। उनके भाई शिवेंद्र तिवारी लखनऊ विश्वविद्यालय में काम करते थे। सुयश बिजली के सामान का कारोबार करते थे और 5 दिसंबर को उनकी शादी होनी थी।

परिवार और पड़ोसी के बीच घर के सामने बरगद के पेड़ के नीचे चबूतरा बनाने को लेकर करीब डेढ़ महीने से विवाद चल रहा था। मामला पहले थाने भी पहुंचा था और इसके बाद निर्माण कार्य रुक गया था। सोमवार सुबह सुयश ने उसी जगह कार खड़ी की, जिसके बाद पार्किंग को लेकर फिर विवाद शुरू हो गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पहले शंभु तिवारी और पड़ोसी ऋषभ शुक्ला के बीच कहासुनी हुई। शोर सुनकर शिवाजी तिवारी बाहर आए। इसी दौरान गोलीबारी हुई और दोनों को गोली लग गई। इसके बाद सुयश घर से बाहर निकले तो उन्हें भी घर के पास सीढ़ियों पर गोली मार दी गई।

हालांकि, मृतक परिवार की ओर से दी गई शिकायत में कई अन्य लोगों पर घेरने, मारपीट करने और हमले में शामिल होने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उन्हें भी जान का खतरा है और सुरक्षा मुहैया कराई जाए। पुलिस ने दोनों परिवारों के घरों के बाहर सुरक्षा बल तैनात किया है। घटनास्थल पर करीब 50–60 पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पड़ोसी अनूप सक्सेना ने बताया कि उन्होंने विवाद के दौरान 8 से 10 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनी। घटना के बाद तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा के अनुसार, आरोपी ऋषभ शुक्ला को पिस्टल समेत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस घटना के कारणों, शिकायत में नामजद अन्य लोगों की भूमिका और पुराने विवाद की भी जांच कर रही है।

जनसमस्याओं के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं : ब्रजेश पाठक

संवाददाता

लखनऊ । जनता की समस्याओं का प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी प्रतिबद्धता के तहत उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर जनता दर्शन के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मुलाकात की। उन्होंने एक–एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर प्रकरणों में पात्रता एवं नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने चिकित्सा उपचार, आर्थिक सहायता, पुलिस कार्रवाई, राजस्व, भूमि विवाद, पारिवारिक समस्याओं सहित विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी शिकायतें उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की प्रकृति और संवेदनशीलता के अनुरूप आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि पीड़ितों को समय पर राहत मिल सके।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रता एवं निर्धारित नियमों के अनुसार उपलब्ध कराया जाना चाहिए। जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने सुनीं जनसमस्याएं अफसरों को दिये समाधान के निर्देश

लखनऊ,सवांददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सरकारी आवास पर जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं के समुचित, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए दिशा–निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता दर्शन में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसके समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए। शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता, तत्परता, पारदर्शिता और जवाबदेही का विशेष ध्यान रखा जाए। जनता दर्शन जनता की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसका उद्देश्य पीड़ित व्यक्ति को राहत पहुंचाना और उसकी समस्या का प्रभावी निराकरण है। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने तथा समाज के कमजोर जरूरतमंद वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारियों को चाहिए कि रोजगार एवं युवा कल्याण से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र युवाओं तक पहुंचाएं तथा कौशल विकास, रोजगार मेलों स्वरोजगार कार्यक्रमों के माध्यम से आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराएं। उप मुख्यमंत्री ने विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और दिव्यांगजन पेंशन के पात्र लाभार्थियों को नियमित रूप से पेंशन उपलब्ध कराने तथा पात्र व्यक्तियों के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने और अनुमन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने पर भी जोर दिया।

जोशी ब्राह्मण संघ ने किया मां गंगा का दुग्धाभिषेक

वाराणसी,सवांददाता। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार, ललिता घाट पर जोशी ब्राह्मण संघ द्वारा माँ भगवती गंगा का 51 दुग्धाभिषेक किया गया। राष्ट्र की सुख–समृद्धि और समाज के कल्याण की कामना से किया गया यह आयोजन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सरसों और पंचामृत से माँ गंगा का अभिषेक किया गया। पूजन से पूर्व प्रथम देवता भगवान गणेश का पूजन किया गया। जोशी ब्राह्मण संघ के सभी सदस्य इस अवसर पर मौजूद रहे। इस आयोजन में काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन और एसडीएम का विशेष सहयोग रहा।

महर्षि वाल्मीकि व गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती पर कांग्रेसियों ने लिया अन्याय के खिलाफ संघर्ष का संकल्प

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि एवं देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर विचारक व निर्भीक पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती सोमवार को धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने की। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना कर समाज को समानता, सद्भाव और भाईचारे का कालजयी संदेश दिया है। संत और महापुरुष किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक होते हैं। गणेश शंकर विद्यार्थी जी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के अमर स्तंभ थे। उन्होंने अपने अखबार श्प्रतापश के माध्यम से ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की और कानपुर के सांप्रदायिक दंगों के दौरान सौहार्द की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। आज के दौर में उनका राष्ट्रीय एकता का संदेश और भी प्रासंगिक हो गया है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे महर्षि वाल्मीकि के सामाजिक समरसता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाएंगे और विद्यार्थी जी की तरह बिना डरे अन्याय के खिलाफ हमेशा संघर्षरत रहेंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से सांसद तनुज पुनिया, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, प्रो. विनोद चन्द्रा, एच.एल. दुसाध, सिद्धिश्री, ओंकारनाथ सिंह, प्रमोद सिंह, आसिफ रिजवी रिंकू और पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल में सर्जिकल वार्ड एमसीएच विंग में शिफ्ट

वाराणसी संवाददाता। कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल में 500 बेड का सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक बनाने के लिए शिफ्टिंग शुरू हो गया है। 30 बेड का सर्जिकल वार्ड महिला अस्पताल स्थित एमसीएच विंग में शिफ्ट कर दिया गया है। जल्द ही टीबी यूनिट, दवा वितरण केंद्र, पैथोलॉजी सहित अन्य विभाग भी शिफ्ट किये जाएंगे। कुछ वार्ड एमसीएच विंग और कुछ इमरजेंसी के ऊ पर स्थानान्तरित होंगे।

बीएचयू के छात्रों को दिया 'कैम्पस टु कॉरपोरेट' प्रशिक्षण

वाराणसी संवाददाता। बीएचयू के विद्यार्थियों को कॉरपोरेट जगत की चुनौतियों, कार्य संस्कृति और रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से सोमवार को 'कैम्पस टू कॉरपोरेट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को प्लेसमेंट की तैयारी, उद्योग की अपेक्षाओं और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छात्र अधिष्ठाता प्रो. रंजन कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य संयोजक टीसीएस वाराणसी के सेंटर हेड रवि कोहली ने विद्यार्थियों को कम्पनी की प्लेसमेंट प्रक्रियाओं में अधिकाधिक संख्या में आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। टीसीएस के रीजनल हेड संदीप जोशी और सत्येन्द्र यादव ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों के लिए कम्पनी में उपलब्ध रोजगार एवं प्लेसमेंट की संभावनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने ग्रुप डिस्कशन, साक्षात्कार तथा रिज्यूमे तैयार करने की प्रक्रिया, प्रभावी संवाद कौशल, आत्मविश्वास और व्यावसायिक तैयारी की जानकारी दी। टीसीएस के एआई टेक्निकल आर्किटेक्ट रजत सोनी ने विद्यार्थियों को एआई से अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने और करियर के नए अवसरों के रूप में अपनाने की सलाह दी। बीएचयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. उमेश सिंह ने अंत में सभी अतिथियों, वक्ताओं और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप सेल के कर्मचारी आलोक मिश्र, संजय कुमार यादव, रवि कुमार पटेल और एसआरके इंटर्न मुस्कान उपस्थित रहे।

भारत की पहली महिला प्रो वॉलीबॉल लीग ने तैयार कीं अपनी टीमें

लखनऊ,सवांददाता। पैडल शुरू से ही उठने लगे और बोली की गर्मी आखिर तक कम नहीं हुई। स्टीयरिंग कमेटी, वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबद्ध, भारत की पहली पेशेवर महिला वॉलीबॉल लीग, विमेंस प्रो वॉलीबॉल लीग की सीजन 1 प्लेयर ऑक्शन में छह फ्रैंचाइजियों ने कुल 78.85 लाख में 66 खिलाड़ियों को अपने पाले में किया। दांव बड़ा है। हर फ्रैंचाइजी का बजट 25 लाख है, 15 लाख नीलामी के लिए, 7 लाख विदेशी खिलाड़ियों के लिए और 3 लाख आइकन खिलाड़ी के लिए ।

काशी में आ रहे अखिलेश यादव, दौरे की तैयारियों को सपा प्रतिनिधिमंडल दे रहा अंतिम रूप

वाराणसी,सवांददाता। आराजी लाइन विकास खंड के सजोई गांव में आगामी 31 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के संभावित कार्यक्रम को लेकर सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सपा के प्रतिनिधिमंडल ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेते हुए हेलीपैड,पार्किंग स्थल और जनसभा स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल में चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह,सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ पहलवान, पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटेल तथा पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी प्रमुख रूप से शामिल रहे। सदस्यों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पूर्व मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों को लेकर चर्चा भी की गई। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य योगेश सिंह, विधानसभा अध्यक्ष गोपाल, ग्राम प्रधान राजेश पटेल, निरंजन राजभर सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सपा प्रतिनिधि मंडल के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से स्थानीय स्तर पर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पार्टी नेताओं द्वारा निरीक्षण किए जाने के बाद संभावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। जंसा थानाध्यक्ष सत्यजीत सिंह ने बताया कि समाजवादी पार्टी की रैली को लेकर परमिशन के लिए पत्र शासन से आया है जिसके लिए हमारी टीम भी गई हैं।

स्टे के बावजूद दालमंडी में अवैध निर्माण सपा नेता समेत दो पर एफआईआर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। अदालत के स्थगन आदेश (स्टे) की धज्जियां उड़ाकर दालमंडी इलाके में अवैध निर्माण करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में चौक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के स्थानीय नेता इमरान अहमद उर्फ बबलू और सवाब अहमद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई पीड़ित पक्ष की तहरीर पर की गई है। दालमंडी निवासी मोहम्मद वसीम के अनुसार, उनके रिहायशी मकान के मालिकाना हक को लेकर विपक्षियों से लंबे समय से कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए माननीय न्यायालय ने विवादित संपत्ति पर श्यथास्थितिश (स्टेटस को) बनाए रखने का आदेश जारी किया था। साथ ही किसी भी तरह के निर्माण कार्य पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। पीड़ित का आरोप है कि अदालती आदेश को दरकिनार करते हुए सपा नेता इमरान अहमद बबलू और सवाब अहमद ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा लगाए गए लाल निशान के पास से पुराने शटर हटा दिए और अवैधा रूप से नए शटर लगाकर कब्जा करने का प्रयास किया। जब मोहम्मद वसीम ने मौके पर पहुंचकर इस अवैध निर्माण का विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें सरेआम गाली–गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद पीड़ित ने चौक थाने में न्याय की गुहार लगाई। चौक थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की लिखित शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

आइआइटी बीएचयू ने ग्रामीण बच्चों को सिखाए विज्ञान के गुर, बच्चों ने लिया यंग इनोवेटर्स चैलेंज में हिस्सा

वाराणसी,सवांददाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) बीएचयू की वर्चुअल सस्टेनेबल डेवलपमेंट सेंटर (एसडीजी सेंटर) की ओर से भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आइएनवाइएएस) और संस्थान के सोशल सर्विस काउंसिल के सहयोग से ग्राम विज्ञान 2026 का आयोजन किया गया। काशी विद्यापीठ ब्लॉक के टिकरी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को विज्ञान के सिद्धांतों से परिचित कराने के साथ उनमें वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया। कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में विज्ञान के कार्यशील मॉडल, प्रयोग, गतिविधियों, प्रश्नोत्तरी, परिचर्चा और यंग इनोवेटर्स चौलेंज के माध्यम से बच्चों को सीखने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझा और दैनिक जीवन सेजुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अपने विचार भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में कचरा प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, सूक्ष्मजीव, टिकाऊ कृषि, जैव विविधता और जनस्वास्थ्य जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण के बीच संबंध समझाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं आइआइटी बीएचयू के स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिषेक सुरेश धाबले ने कहा कि ग्राम विज्ञान का उद्देश्य ग्रामीण बच्चों के लिए विज्ञान को सरल, रोचक और उपयोगी बनाना है। बच्चों को रोजमर्रा के अनुभवों से जोड़कर वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने का अवसर दिया गया, ताकि वे सवाल पूछने, तार्किक सोच विकसित करने और नए समाधान खोजने के लिए प्रेरित हों। एसडीजी सेंटर के प्रभारी प्रोफेसर एवं कार्यक्रम के सह–संयोजक प्रो. विकास कुमार दुबे ने कहा कि टिकाऊ विकास के लिए जागरूकता और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार जरूरी है। बच्चों को जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और संसाधनों के उचित उपयोग जैसे विषयों से जोड़कर सतत विकास के प्रति उनकी समझ विकसित की जा सकती है। कार्यक्रम के सह–संयोजक डॉ. प्रांजल चंद्र ने कहा कि प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से बच्चे विज्ञान को केवल पढ़ते नहीं, बल्कि उसे अनुभव भी करते हैं। इससे उनकी जिज्ञासा बढ़ती है और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहन मिलता है।

कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आइएनवाइएएस) के सदस्य और मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) से जुड़े डॉ. संतोष भी शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया। वैज्ञानिक से सीधे बातचीत का अवसर मिलने से बच्चे काफी उत्साहित हुए। कुछ विद्यार्थियों ने भविष्य में परमाणु वैज्ञानिक बनने की इच्छा भी जताई। आइआइटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे वैज्ञानिक ज्ञान को परिसर से बाहर समाज तक पहुंचाएं। ग्राम विज्ञान जैसे कार्यक्रम बच्चों में जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना विकसित करने के साथ विज्ञान को स्थानीय समुदायों की जरूरतों से जोड़ते हैं। आइआइटी बीएचयू शिक्षा, अनुसंधान और जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से विद्यालयों और समुदायों के साथ सार्थक जुड़ाव के लिए प्रतिबद्ध है। ग्राम विज्ञान 2026 के माध्यम से ग्रामीण विद्यार्थियों को विज्ञान को समझने, प्रयोग करने और अपनी कल्पनाओं को नए विचारों में बदलने का अवसर मिला। कार्यक्रम ने समावेशी विज्ञान शिक्षा और ग्रामीण समुदायों तक वैज्ञानिक जागरूकता पहुंचाने के महत्व को भी रेखांकित किया।

डाक्टर के भाई पर घर में घुसकर चाकू से जानलेवा हमला, मुकदमा दर्ज

वाराणसी,सवांददाता। रोहनिया थाना क्षेत्र के अखरी चौकी अंतर्गत कुरहुआ के रहने वाले डा. चंद्रशेखर वर्मा के घर में बीती रात घुसे आरोपितों ने उनके भाई पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में गभीर रूप से घायल युवक को स्वजन ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे जहां से इलाज के बाद इन्द्रा हास्पिटल अखरी में इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस मुकदमा दर्ज का जांच में जुटी है। घायल उमेश शेखर वर्मा का आरोप है कि देर रात लगभग 12.30 बजे कुरहुआ स्थित मकान में सोया था। घर के पीछे बनी बाउंड्री फांदकर दो व्यक्ति मेरे कमरे में धारदार चाकू लेकर घुस आए और गले वार कर दिए। प्रसाद यादव गजाधरपुर थाना रोहनिया का रहने वाला है तथा एक अज्ञात व्यक्ति था, जिसे देखकर पहचान सकता हूं। आरोप है कि मंगरू प्रसाद यादव ने जान मारने की नीयत से हमला किया है जिसके कारण गर्दन पर ज्यादा चोट के कारण आरोपित मरा हुआ समझकर भाग गए। घटना के बाद घायल उमेश शेखर की पत्नी ने इसकी सूचना घायल के बड़े भाई डा. चंद्रशेखर को दिया जिन्होंने रोहनिया पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी निरीक्षक रोहनिया राजू सिंह ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर दोनों पक्षों की काफी पुरानी रंजिश चली आ रही है। फिलहाल मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से जांच की जा रही है। पीड़ित उमेश शेखर पर पूर्व में भी जानलेवा हमला हुआ था।

कांग्रेस की भाषा उसकी निराशा, कुंठा और राजनीतिक गिरावट को दर्शाती है : शर्मा

लखनऊ,सवांददाता। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूज्य स्वर्गीय पिता के संबंध में की गई कथित अभद्र टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के अध्यक्ष से सार्वजनिक जीवन में मर्यादा, संयम और शालीनता की अपेक्षा की जाती है। प्रधानमंत्री जी के परिवार के प्रति इस प्रकार की टिप्पणी राजनीतिक विमर्श के गिरते स्तर और कांग्रेस की हताशा को दर्शाती है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस राजनीतिक विरोध में लगातार अपनी मर्यादाएं खोती जा रही है। प्रतिदिन उसकी भाषा और आचरण में गिरावट के नए उदाहरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति राजनीतिक विरोध का प्रदर्शन करते हुए उनके परिवार और उनके पूज्य स्वर्गीय पिता जी को निशाना बनाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। स्वस्थ लोकतंत्र में वैचारिक मतभेदों के लिए स्थान है, लेकिन व्यक्तिगत अपमान और अभद्र भाषा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए।श्री शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता–पिता, बुजुर्गों और सभी पूज्य व्यक्तियों का सम्मान करना हमारे संस्कारों का अभिन्न अंग है। राजनीतिक मतभेद चाहे कितने भी गहरे क्यों न हों, वे हमारी सांस्कृतिक मर्यादाओं से ऊपर नहीं हो सकते। कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए कि उसकी भाषा और व्यवहार उसे भारतीय समाज के मूल्यों से दूर क्यों ले जा रहे हैं। कांग्रेस को अपनी राजनीतिक निराशा और कुंठा को अभद्र भाषा के माध्यम से व्यक्त करने के बजाय सकारात्मक राजनीति का रास्ता अपनाना चाहिए।

संपादकीय

दिव्यता के दिव्यांग

जापान के आईची–नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची–नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं। आईची–नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैंसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल–टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि 'सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।' कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दिव्यांगों का जीवन सहज–सरल हो सके। हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं करा पाए। देश के हर छोटे–बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें।

क्यों नहीं घर का, घाट का

किन्हीं सज्जन की एक फेसबुक पोस्ट पर ट्विटर (यानी एक्स) और फेसबुक पर बड़ी रोचक चर्चा हुई। यानी पहले फेसबुक पर पोस्ट डाली गई, फिर उसी पर इस सोशल मीडिया मंच के अलावा एक्स पर भी चर्चा हुई, जिसमें कहा गया है कि 'धोबी का कुत्ता घर का न घाट का' कहावत में कुत्ता नहीं, 'कुतका' का प्रयोग सही है। यह लोकोक्ति सदियों से ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी, बुंदेली, नेपाली, कुमाऊंनी सहित अनेक अन्य भाषाओं में बहुत पहले से उपस्थित है। इसकी विवेचना करें, तो 15वीं सदी के संत कवि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित कवितावली में इसका प्रयोग मिलता है। इसका आशय ऐसे व्यक्ति से है, जो एक ठिकाने पर जमकर कोई काम नहीं करता। बेकार उधर फिरने वाला। यानी, अगर कहें तो निकम्मा आदमी।

कहावत में कुत्ता घर का इसलिए नहीं है, क्योंकि आमतौर पर कुत्ते का काम घर की रखवाली करना होता है। जब वह घाट पर जाएगा, तो रखवाली कौन करेगा? घाट का इसलिए नहीं कि वहां उसके करने का कोई काम नहीं और आखिर वहां से भी धोबी के साथ लौट ही आएगा। इस लोकोक्ति का एक छोटा रूप भी हिंदी में चलता हैकृ'घर का न घाट का'। अंग्रेजी में इसके समकक्ष कहावत हैकृ'कुतका'। हिंदी में एक बैटनुमा मोटा डंडा या सोंटा है, जो कपड़े को धोने के दौरान पीटने के काम आता है। इसके और भी अर्थ हैं, किंतु धोबी का खूंटा नहीं। पंजाबी में कुतका को थापी या मोंगरी और कुमाऊंनी में मुंगराध्मुंगर भी कहा जाता है। सिख इतिहास में उल्लेख मिलता है कि यह लड़ाई के काम भी आता था और सुना है कि उन्हें आज भी धरोहर की भांति संभालकर रखा गया है।

ब्रज–बुंदेलखंडी में कुतका ठेंगे के लिए प्रयोग किया जाता है। 'ये ले ठेंगा मेरा' के लिए 'कुतका लै लै मेओ' कहा जाता है। कुमाऊंनी में 'कुतक्यूण' का मूल अर्थ गुदगुदी करना (कुत्क्याई, कुतकुति) है। इसका संबंध भी ब्रजध्बुंदेली के कुतका से लगता है, क्योंकि कुतकुती अंगूठे और उंगलियों से कोमल अंगों में दी जाती है। लाक्षणिक प्रयोग (मुहावरे) के रूप में कुतक्यूण पिटाई करने के अर्थ में है, वैसे ही जैसे सिंकाई करना, पूजा करना। ठेंगा (अंगूठा दिखाना) के लिए कुमाऊंनी में 'घुत्ता' है। यह भी कुतका (ठेंगा) से हो सकता है। कुतका और इससे संबंधित देसज शब्दों के अर्थ और इनके इस्तेमाल को लेकर भी कई तरह की बातें हैं। वैसे तो हर शब्द का एक अर्थ होता है और उस अर्थ तथा शब्द की उत्पत्ति को लेकर भी कई कहानियां होती हैं। वैसे, यहां जो शब्द हैकृ'घर का न घाट का'कृउसके इस्तेमाल पर भी कई बार विवेचनाएं हो चुकी हैं।

कौन राहुल कैसी जनता एक नवंबर को सब पता चल जाएगा!

शकील अख्तर0

लग रहा है यह अंग्रेजों के टाइम में या किसी राजे महाराजे के राज में रैली हो रही है। ऐसा विरोध? जैसे कोई गैरकानूनी काम हो रहा हो! बीजेपी वाले सत्तर साल विपक्ष में रहे। खूब रैलियां करते रहे। जिस कांग्रेस सरकार के खिलाफ निकालते थे वह रैली स्थल पर पानी, सफाई, रोशनी, मेडिकल सबकी व्यवस्था करती थी। रैली करना लोकतांत्रिक अधिकार है। संविधान ने दिया है शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार। मौलिक अधिकारों में है यह। संविधान के अनुच्छेद 19 में साफ है कि सभा करना, इकट्ठे होना, भाषण देना मूल अधिकार हैं। इन्हें कोई सरकार तो छोड़िए, सुप्रीम कोर्ट या संसद भी रद्द नहीं कर सकते। यह संविधान के मूल ढांचे में आता है। केशवानंद भारती मामले में सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला है कि संसद इन्हें कानून बनाकर भी रद्द नहीं कर सकती। यह लोकतंत्र का मूल आधार है। संविधान का बेसिक स्ट्रक्चर। जिस पर पूरा संविधान खड़ा है। मगर मजाक देखिए! देश की सत्तारूढ़ पार्टी विपक्ष की एक नवंबर की रैली पर सवाल उठा रही है। रैली के नुकसान गिनाए जा रहे हैं। तारीख पर सवाल हो रहे हैं। बेसिक बात यह है कि रैली से ही प्राब्लम है। रैली क्यों हो रही है? देश में सब कुछ अच्छा चल रहा है। लोगों को खूब सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। व्यापारियों की खूब दुकानें चल रही हैं। सब सुख चौन में हैं। चीन अरुणाचल में घुस रहा है। आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत सिंह कुछ कह रहे थे कि चीन इतने अंदर घुस आया है। रोज झड़पें हो रही हैं। तो उन्हें चुप करवा दिया। बात खत्म हो गई। मणिपुर में साढ़े तीन साल हो गए। बाकायदा गृह युद्ध में झांक दिया है उसको। रोज लोग मर रहे हैं। लेकिन कहीं उसकी बात नहीं। बस सारी चिंता यह है कि एक नवंबर को विपक्ष की यह रैली क्यों हो रही है? यह डर बड़ा है। पहली बार है जब सरकार डरी हुई दिख रही है। नहीं तो अभी तक तो यह कहती थी कि जनता डरी हुई रहे यह अच्छी बात है। खुद प्रधानमंत्री मोदी के शब्द थे यह डर अच्छा है! समय का चक्र देखिए अब यह सरकार डर रही है। जनता से उसके शांतिपूर्ण प्रदर्शन से। और उस मुख्य मुद्दे से जो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को मिल गया है वोट चोरी। वोट चोरी अब जनता का मुद्दा बन गया है। राहुल एक साल से ज्यादा समय से इस सवाल को लगातार उठा रहे हैं। बताया तो उन्होंने पहले भी था। कहा था वाराणसी सहित सौ से ज्यादा सीटें मोदी वोट चोरी से जीते हैं। और बावजूद इसके 2024 के लोकसभा चुनाव में वे स्पष्ट बहुमत नहीं पा पाए। जनता की समझ में आने लगा था कि अगर चुनाव फ्री एंड फेयर हो जाते तो मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते थे। इसी बात को अब राहुल ने स्थापित कर दिया। वोट चोरी इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया और इसी के खिलाफ एक नवंबर की रामलीला मैदान की रैली ऐतिहासिक होने जा रही है। मोदी सरकार इसी से घबराई हुई है। सबसे पहले तो उन्होंने तारीख पर ही बात करना शुरू करवाई। भक्त और गोदी मीडिया अचानक

चिल्लाने लगे कि एक नवबंर को ही क्यों?

चलिए भक्तों और गोदी मीडिया को तो लोग अब एक ही समझते हैं और उनकी बातों का तो मजा लेते हैं, ध्यान देना बंद कर दिया है। मगर पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद जो वकील भी हैं वे भी आ गए। एक नवंबर पर सवाल उठाने। उन्हें कोई बताए कि हर तारीख के साथ कोई घटना या दुर्घटना जुड़ी हो सकती है। वे जब अदालत में कोई मामला पेश करते हैं तो देखते हैं कि इस तारीख को कर रहे हैं और इस तारीख को पहले क्या–क्या हुआ था? तारीखों की कहानी बनाना और उसमें जनता को उलझाए रखने में इन्हें महारत हासिल है। अंधविश्वास फैलाकर ही यह जनता को कूपमंडूक बनाए रखते हैं। पता नहीं क्या क्या चलाते थे। 13 तारीख और वाजपेयी। वाजपेयी इन्हीं के बीच के थे। मगर पढ़े–लिखे लोगों की संगत से डरते नहीं थे। इसीलिए जसवंत सिंह, ब्रजेश मिश्रा, यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी को अपने साथ लाए। और जब मूड में होते थे तो कहते थे कि कोई सोचे कि हमें उसने बनाया है तो गलत। हमें 13 तारीख ने बनाया है। और फिर हो हो हो! जोरदार हंसी। खासतौर से जब मुख और मुखौटा कहा था तब पहले तो बहुत आहत हुए थे। मगर बाद में अपने स्वभाव के अनुसार मजाक करने लगे थे कि बताओ किस तारीख में मुख थे किस में मुखौटा बने? बीजेपी में वाजपेयी का दौर बीत गया। अब तो खुद प्रधानमंत्री ऐसी अवैज्ञानिक बातों के जनक बन गए हैं। एक–दो नहीं कई हैं। बादलों में जहाज ले जाओ रडार नहीं पकड़ पाएगा से लेकर मैं नान बायलोजिकल हूं तक कई बातें खुद उनके श्रीमुख से निकली हैं। देश अंधविश्वास की जकड़ में ऐसे ही आता है। इसी को और मजबूत करने के लिए एक नवंबर की कहानी शुरू की गई है कि उस दिन सिखों पर हमला हुआ था। मतलब खुद ही उन हमलों के मामले को कमजोर कर रहे हैं कि एक नवंबर नहीं होता तो हिंसा नहीं होती। मजेदार बात यह है कि इनके पास खबर है कि विपक्ष के नेता तारीख बदलने की मांग कर रहे हैं। मगर राहुल अड़े हैं। मुख्य निशाना तो राहुल ही हैं। लेकिन खैर! एक भी नेता का नाम नहीं बता पाए जिसने तारीख बदलने के लिए कहा हो। लेकिन जब देखा कि यह मामला नहीं चला तो तारीख वहीं रहने दी मगर कहने लगे कि व्यापार को नुकसान हो जाएगा। कोई बड़ा उद्योग और व्यापारिक संगठन यह कहने को आगे नहीं आया तो एक कागजी संगठन से राहुल को पत्र लिखवा दिया कि एक नवंबर की रैली से व्यापार को नुकसान हो जाएगा। लेकिन व्यापार के जानकार लोग ही कहने लगे कि बाजार का तो सिद्धांत है फुट फाल। मतलब जितने ज्यादा लोग आएंगे उतनी ही बिक्री बढ़ेगी। लोगों का आना व्यापार का बढ़ना। इस समय पूरे देश के बाजारों में मंदी है। ग्राहक कहीं है ही नहीं। मगर बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि जब लाखों लोग रैली में शामिल होने दिल्ली आएंगे तो कुछ न कुछ खरीद कर लेकर जाएंगे। बाजार में तेजी आएगी। मगर इन सबसे भक्त, गोदी मीडिया, भाजपा, सरकार किसी को कई मतलब नहीं। उन्हें मतलब केवल राहुल गांधी से है। तारीख का सवाल भी राहुल से था। और एक नकली व्यापार संगठन से भी। राहुल को ही पत्र लिखवाया गया है। डर राहुल से ही है। प्रधानमंत्री मोदी की भाषा में यह कहा जा सकता है कि यह डर अच्छा है! क्योंकि अगर इसी डर की वजह से प्रधानमंत्री मोदी जनता की तरफ ध्यान देने लगें तो अच्छी बात है। वोट चोरी आज देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा है। अगर जनता का वोट ही चोरी हो गया तो उसके पास बचा क्या? यही एक चीज ऐसी है जिसकी वजह से उसकी पूछ होती है। अगर उसके वोट का ही मतलब नहीं रहा तो उसे कौन पूछेगा? कौन राहुल कि तरह कौन मतदाता पूछा जाएगा। राहुल को तो आज पहचान गए हैं। राहुल ने सारी बाजी उलट कर रख दी है। और अब जनता भी उसी की तैयारी में है। एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में पता चल जाएगा कि कौन वोटर? कौन जनता? सब वहां होंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

खतरे में देश की सुरक्षा और विकास

पिछले तीन सालों से मणिपुर में जारी हिंसा पर मोदी सरकार अब तक रोक नहीं लगा पाई है। मुख्यमंत्री का इस्तीफा, राष्ट्रपति शासन और फिर नए मुख्यमंत्री के आने के बावजूद कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जो जातीय हिंसा शुरु हुई, वो किसी भी तरह रुकने का नाम नहीं ले रही है। अभी अक्टूबर महीने में ही कम से कम 14 लोगों की जान इस हिंसा में चली गई है। लेकिन पुलिस का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। मुमकिन है पुलिस अपनी हद में संभव सारे उपायों को आजमा भी रही हो, लेकिन जब तक सरकार नहीं चाहेगी, शांति कायम नहीं होगी, यह तथ्य है। राज्य और देश में पुलिस का नहीं भाजपा का शासन है, लिहाजा पहली जिम्मेदारी उसी की बनती है। मगर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों को उनके हाल पर छोड़ दिया है, यह लगातार नजर आ रहा है। मणिपुर के बाद अब अरुणाचल प्रदेश के हालात बिगड़ रहे हैं।

एक तरफ चीन की तरफ से अतिक्रमण रुक नहीं रहा है और दूसरी तरफ सियांग बांध परियोजना के विरोध में स्थानीय लोग उतर आए हैं। देश के मीडिया का वह हिस्सा जो खुद को मुख्यधारा कहता है, उसका भी रवैया पूर्वोत्तर को लेकर सरकार से अलग नहीं है। यहां की खबरें उसके लिए तभी मायने रखती हैं, जब उनसे कुछ सनसनी फैलाने की गुंजाइश उसे नजर आए। वर्ना क्या कारण है कि अरुणाचल प्रदेश के लोग जब लगातार चीन की घुसपैठ को लेकर आवाज उठा रहे थे, यहां तक कह रहे थे कि कुछ दिन में हम चीनी कहलाएंगे, भारतीय नहीं, तब भी मीडिया में इन खबरों को प्रमुखता से दिखाकर सरकार से सवाल नहीं पूछे गए। किसी भाजपा प्रवक्ता को बिठाकर एंकर्स ने यह नहीं कहा कि जो ऐसे वीडियो आ रहे हैं, उन पर आपका क्या कहना है। पाकिस्तान ने कब, कहां से घुसपैठ की योजना बनाई, देश में कौन लोग हैं जो पाकिस्तान का प बोलते हैं, इन सब पर तो मीडिया खूब खबरें चलाता है और खबरें न हों तो किसी न किसी तरह बनवा लेता है। अभी छात्र आंदोलन या वोट चोरी के खिलाफ हो रहे आंदोलन में भी पाकिस्तानी मदद का षड्यंत्र इस तथाकथित मुख्यधारा के मीडिया ने पकड़ लिया है। लेकिन चीन किस तरह अरुणाचल प्रदेश पर अपना कब्जा बढ़ाता जा रहा है, यह अरुणाचल प्रदेश के लोग लगातार बता रहे हैं, वहां का मीडिया इस पर खबरें बना रहा है, मगर उन पर न दिल्ली में बैठे सेलिब्रिटी एंकर्स बात कर रहे हैं, न उनकी मालिक सरकार कुछ कह रही है। लेकिन सच बहुत वक्त तक छिपता नहीं है। हाल ही में आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया है कि अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ

लगातार मुठभेड़ हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से चीन का मुकाबला करना संभव नहीं है। कायदे से इस भाषण के बाद रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री तीनों को वस्तुस्थिति बतानी चाहिए थी। संसद सत्र में तो विपक्ष इस पर सवाल पूछेगा ही, लेकिन देश की सीमा पर क्या चीन से खतरा बढ़ा है, यह जानकारी देने के लिए सत्र का इंतजार नहीं किया जा सकता।

मगर बजाए स्पष्टीकरण देने के सरकार ने इस भाषण को ही आईटीबीपी के हैंडल से हटवा दिया है। याद कीजिए जब राहुल गांधी ने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीय का जिक्र कर बताया था कि 31 अगस्त 2020 को लद्दाख के रेचिन ला पास पर चीनी सेना के चार टैंकों और सैनिक आगे बढ़ रहे थे, तो कार्रवाई के लिए जनरल नरवणे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बात की थी, तब उन्हें ऊपर यानी प्रधानमंत्री कार्यालय से यह निर्देश मिला था कि–श्जो उचित समझो, वो करोय। राहुल गांधी के इस खुलासे पर भाजपा फंस गई तो उसने फिर इस मुद्दे पर राहुल को बोलने ही नहीं दिया और न ही नरवणे की किताब को प्रकाशन की अनुमति मिली। मोदी सरकार का तरीका यही है कि न खुद सच बताओ, न किसी और को बताने दो। लेकिन सच फिर भी सामने आ जाए, तो उसे दबा दो। सच को दफ्न कर–कर के ही पिछले 12 सालों से मोदी सरकार चली जा रही है। लेकिन इसका खामियाजा अब उन राज्यों को ज्यादा भुगतना पड़ रहा है, जो पहले दिल्ली से भौगोलिक तौर पर दूर थे और अब भावनात्मक तौर पर भी अलग–थलग किए जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा को सत्ता तो चाहिए, लेकिन केवल इसलिए ताकि यहां की प्रचुर प्राकृतिक संपदा का मनचाहा दोहन उसके चहेते उद्योगपति कर सकें। लद्दाख को भी जम्मू–कश्मीर से अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया, वहां भी विशिष्ट खनिज पदार्थों की लूट का खतरा बढ़ा है। इधर अरुणाचल प्रदेश में स्थानीय लोगों को भरोसे में लिए बिना 11,200 मेगावाट की सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना शुरु की गई। शुरुआत से ही स्थानीय किसान संगठन और श्सियांग इंडिजिनस फार्मर्स फोरम्य इसका विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस विशाल बांध के बनने से लगभग 27 से अधिक गांव और पुश्तैनी कृषि भूमि डूब क्षेत्र में आ सकते हैं, जिससे स्थानीय आबादी के बड़े पैमाने पर विस्थापित होने का डर है। वो सवाल उठा रहे हैं कि क्या इस आबादी का पुनर्वास कैसे होगा, क्या ये अपने ही घर में शरणार्थी बना दिए जाएंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि इस परियोजना की प्री–फीजिबिलिटी रिपोर्ट और सर्वेक्षण से पहले स्थानीय लोगों, पारंपरिक ग्राम परिषदों (केबांग) और प्रभावित परिवारों को भरोसे में नहीं लिया गया और उनकी सहमति के बिना जबरन सुरक्षा बल तैनात किए गए। जिससे विरोध और बढ़ गया है। सरकार इस बांध को राष्ट्रीय हित में बता रही है और कह रही है कि चीन जो बड़े बांध बना रहा है, उससे मुकाबले के लिए यह जरूरी है। लेकिन स्थानीय समुदाय इसे अपनी आजीविका और संस्कृति पर सीधा संकट मान रहे हैं, और साथ ही जैव विविधता, वनों और स्थानीय पारिस्थितिकी को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। ठीक ऐसा ही विरोध अंडमान–निकोबार के आदिवासी भी ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर कर रहे हैं। उसमें भी हजारों सालों में बने जंगल एयरपोर्ट और उर्जा संयंत्र बनाने के नाम पर काट दिए जाएंगे।

विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा विपक्ष के नेता का उपहास करना हास्यास्पद

डॉ. ज्ञान पाठक

प्रधानमंत्री को विपक्ष के नेता की जोरदार आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन पद की गरिमा कड़ी राजनीतिक आलोचना और व्यक्तिगत उपहास के बीच अंतर की मांग करती है। फिर भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अक्टूबर 2026 को एनडीटीवी द्वारा आयोजित एक विश्व सम्मेलन में अपने प्रतिद्वंद्वी लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का उपहास किया, जहां दर्शक मुख्य रूप से भारत की वैश्विक स्थिति में रुचि रखते थे और एक सामान्य भारतीय चुनावी रैली में भाग नहीं ले रहे थे। स्पष्ट रूप से, प्रधानमंत्री मोदी ने राजनेता के रूप में चूक की, जब उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को श्असफल उत्पादश कहकर व्यक्तिगत उपहास किया, अव्यवस्था का सपना देखने का आरोप लगाया, अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल कांग्रेस को श्परजीवीश कहा और कहा कि उस पर दिमागी नक्सलियों का प्रभुत्व है, जो भारत को बदनाम करने और नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने और भी बहुत कुछ कहा जिसे उनके पद की गरिमा और अवसर के आधार पर अनुचित कहा जायेगा। यह आश्चर्य की बात थी कि एक विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रतिद्वंद्वी नेता और राजनीतिक दल की आलोचना करते हुए सत्तारूढ़ भाजपा के नेता के रूप में बात की और ऐसा लगा कि वह भूल गए थे कि वह भारत की सरकार के चुने हुए प्रमुख हैं और उन दर्शकों के सामने बोल रहे थे जो उन मुद्दों में रुचि रखते थे जिनका दुनिया आज सामना कर रही है, न कि भारत के अन्दर की उस राजनीति में जो घटिया स्तर की मानी जाती है। किसी देश की प्रतिष्ठा के लिए खासकर विश्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री की भाषा मायने रखती है। किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को शविफल उत्पादश कहना उसके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ लक्षित एक प्रभावी राजनीतिक कटाक्ष हो सकता है, लेकिन यह नेतृत्व, नीति और लोकतांत्रिक जवाबदेही के बारे में बहस को उपहास के रूप में बहुत ही छोटा कर देता है। मोदी तर्क देते रहे हैं कि कांग्रेस वैश्विक दर्शकों के सामने विदेशों में भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाती रही है। फिर भी, वह स्वयं वैश्विक दर्शकों के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी की छवि खराब कर रहे थे, केवल इसलिए क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी राहुल गांधी उनकी सरकार के खिलाफ निर्मम आलोचना कर रहे हैं जो उनके लिए बहुत

शर्मनाक है, जैसे कि चुनाव जीतने के लिए वोट की चोरी। लेकिन लोकतंत्र में किसी सरकार की आलोचना स्वतरू ही देश की आलोचना नहीं होती। प्रधानमंत्री के पास एक बड़ा सार्वजनिक मंच और एक सामान्य सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता की तुलना में अधिक संस्थागत अधिकार होता है। यह एक उचित उम्मीद पैदा करता है कि वह राजनीतिक विरोधियों को किसी विश्व सम्मेलन में नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय सभा में ही दांव पर लगे मुद्दों के महत्व के प्रश्नों पर अनुपातिक तर्कों के साथ जवाब दें न कि किसी भी उल–जुलूल उपहास के शब्दों से। राहुल गांधी भी विशेष रूप से 2024 के बाद से आक्रामक रहे हैं और आरोप लगाते रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के साथ मिले हुए हैं और वोट चोरी से चुनाव जीत रहे हैं। 2 अक्टूबर 2026 से, राहुल गांधी ने सरकार के प्रति अपना विरोध तेज कर दिया है और सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने और 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने वाले एसआईआर को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री मोदी ने बदलती विश्व व्यवस्था को समर्पित एक विश्व सम्मेलन में राहुल गांधी और कांग्रेस का मजाक उड़ाते हुए उन्हें भारत का दुश्मन बताया है। प्रधानमंत्री द्वारा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी विपक्ष के नेता का उपहास भारत की राजनीतिक परिपक्वता को प्रदर्शित नहीं करता है, और इसलिए उन्होंने खुद को हास्यास्पद बना लिया। अंततः, एक प्रधानमंत्री का कद इस बात से नहीं मापा जाता है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी का कितने प्रभावी ढंग से उपहास करता है, बल्कि इससे मापा जाता है कि वह अपने पद की गरिमा के प्रति सचेत रहते हुए उस प्रतिद्वंद्वी के तर्कों और प्रश्नों का कितनी दृढ़ता और सटीकता से जवाब देता है। अपनी आलोचना में प्रधानमंत्री मोदी आम तौर पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड का बचाव करते हैं, कांग्रेस की विश्वसनीयता को चुनौती देते हैं, भाजपा को राष्ट्रीय विकास, स्थिरता और हिंदू सांस्कृतिक पहचान की पार्टी के रूप में पेश करते हैं। वह और उनकी पार्टी राहुल गांधी का उपहास भी उड़ाते रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी के सवालों का जवाब देने से बचते रहे हैं जबकि विपक्ष के नेता लगातार सवाल उठाते रहे हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि राहुल गांधी ने अपनी आलोचनाओं में अक्सर ऐसे मुद्दे उठाए हैं जो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के लिए काफी शर्मिंदगी का कारण बने हैं।

वे आमतौर पर सरकार के कामकाज की समीक्षा करते हैं, आर्थिक लाभों के वितरण पर सवाल उठाते हैं, और भाजपा के सांप्रदायिक एजंडे, संवैधानिक सुरक्षा उपायों, सामाजिक असमानता और संस्थागत जवाबदेही जैसे मुद्दों को उजागर करते हैं। विपक्ष के नेता के रूप में, वे सरकार के कामकाज के रिकॉर्ड को चुनौती देते हैं और जवाबदेही की मांग करते हैं। राहुल गांधी, मोदी के शासन, सत्ता के केंद्रीकरण, आर्थिक असमानता और भाजपा के राजनीतिक दृष्टिकोण पर सवाल उठाते हैं।

पुलिस की गोली से गोवध का आरोपी घायल, एक बदमाश फरार

नोएडा,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र में रविवार की रात जांच और गश्त के दौरान पुलिस तथा बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लग गई, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घायल आरोपी की पहचान संजू पुत्र रुक्का उर्फ लुक्का निवासी गांव शेखपुर, थाना चांदहट, जिला पलवल, हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा, कारतूस, बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल और गोवध से संबंधित कई उपकरण व अन्य सामान बरामद किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस ने आज मुठभेड़ की जानकारी देते हुए बताया कि, 25 और 26 अक्टूबर की मध्यरात्रि दनकौर थाना पुलिस की टीम क्षेत्र में चेकिंग और गश्त कर रही थी। इसी दौरान सेक्टर–18 के जंगल में स्थित पॉकेट–5सी पार्क के पास एक मोटरसाइकिल के नजदीक दो संदिग्ध व्यक्ति खड़े दिखाई दिए। पुलिस टीम ने टॉर्च की रोशनी डालकर उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों भागने लगे। इसी दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें संजू के पैर में गोली लग गई। उसका दूसरा साथी मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। इसके अलावा बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल भी मिली है।

बरामद सामान में दो बड़े लोहे के चापड़, एक छोटी और एक बड़ी लोहे की छुरी, दो रस्सियां, पांच प्लास्टिक के कट्टे और एक प्लास्टिक के पन्नी शामिल हैं। एक पॉलीथीन से दो सीलबंद 10–10 एमएल की मेफेंटरमाइन सल्फेट इंजेक्शन की शीशियां, 30 एमएल की एक जाइलाजीन इंजेक्शन की शीशी, तीन सीलबंद सिरिंज और दो सीलबंद सुइयां भी बरामद हुई हैं। दनकौर थाना क्षेत्र के सेक्टर–18 में 21 जुलाई को पशुओं के अवशेष मिलने के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। पूछताछ में संजू ने पूर्व में भी गोवध की घटनाओं में शामिल होने की बात कबूल की है। फरार साथी की पहचान अशरफ पुत्र हसरत निवासी सिरोली बांगर, थाना जेवर के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा जारी आपराधिक इतिहास में संजू के खिलाफ गौवध अधिनियम, आयुध अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता, पशु क्रूरता अधिनियम और हरियाणा गो–संरक्षण कानून से संबंधित दस मुकदमों का उल्लेख है। इनमें दनकौर, रबूपुरा, सेक्टर–58 और हरियाणा के कैंप थाने में दर्ज मामले शामिल हैं।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर देवरही मंदिर में रामायण पाठ शुरू

वाल्मीकि समुदाय के लोगों को वितरित की गई रामायण की पुस्तकें

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को शहर के देवरही मंदिर में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद तथा जिला प्रशासन के निर्देशन में 24 घंटे के रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

रामायण पाठ विनोद कुमार त्रिपाठी की कलाकार टीम द्वारा किया जा रहा है। वहीं, सुनील कुमार मिश्रा की टीम भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रही है। इस अवसर पर वाल्मीकि समुदाय के लोगों को रामायण की पुस्तकें भी वितरित की गईं।

कार्यक्रम का उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि की रचना रामायण में निहित आदर्शों, जीवन मूल्यों और शिक्षाओं को जन–जन तक पहुंचाना तथा लोगों को उन्हें जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। रामायण पाठ और भजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना हुआ है।

31 को आगरा में लगेगा दीपावली आनंद मेला

आगरा,संवाददाता। आगरा में संस्कार भारती, आगरा महानगर की ओर से दीपावली के अवसर पर 31 अक्टूबर, शनिवार को जयपुर हाउस स्थित श्रीराम पार्क में 'दीपावली आनंद मेला' आयोजित किया जाएगा। मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए मनोरंजक कार्यक्रम होंगे। यह जानकारी प्रताप नगर स्थित संस्कार केंद्र में आयोजित आमंत्रण पत्र विमोचन कार्यक्रम में दी गई। प्रांतीय महामंत्री नंद नंदन गर्ग ने कहा कि त्योहारों और उत्सवों के आयोजन से अगली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और संस्कारों की जानकारी मिलती है।

बलिया को हाईटेक बनाने की तैयारी: कैमरों और साउंड बॉक्स से लैस होंगे 10 प्रमुख चौराहे

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। महानगरों की तर्ज पर अब बलिया शहर के प्रमुख चौराहों की सूरत बदलने जा रही है। नगर विधायक और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की विशेष पहल पर शहर के 10 प्रमुख चौराहों को सुंदर बनाने और उन्हें अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। कदम चौराहा और टीडी कॉलेज चौराहा सहित कई मुख्य स्थानों पर ट्रैफिक लाइट, हाईटेक कैमरे और साउंड बॉक्स लगाए जा चुके हैं, जबकि बाकी जगहों पर काम प्रगति पर है।

इस नई व्यवस्था के लागू होने से न केवल शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से नियंत्रित किया जा सकेगा, बल्कि अपराध और अपराधियों पर भी पैनी नजर रखी जा सकेगी। चौराहों पर लगाए जा रहे कैमरे इतने आधुनिक हैं कि 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते वाहनों को भी आसानी से स्कैन कर सकेंगे। इससे चोरी और छिनैती की वारदातों पर अंकुश लगेगा और घटना होने पर पुलिस को बदमाशों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, खंभों पर छोटे स्पीकर (साउंड बॉक्स) भी लगाए जा रहे हैं। इनके जरिए विशेष परिस्थितियों या भारी भीड़ के दौरान पुलिस और प्रशासन आम जनता को जरूरी दिशा–निर्देश और सूचनाएं आसानी से प्रसारित कर सकेगा। प्रशासनिक सहूलियत को ध्यान में रखते हुए इस पूरे हाईटेक सिस्टम का मुख्य कंट्रोल रूम कलेक्ट्री परिसर में आबकारी कार्यालय के सामने, पानी की टंकी के पास बनाया जा रहा है। इस पूरी कवायद से बलिया शहर में सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन का एक नया दौर शुरू होने की उम्मीद है।

बाल्मीकि जयंती पर निकली शोभायात्रा हुई पुष्पवर्षा

आगरा,संवाददाता। नगर में सोमवार को भगवान वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। सुबह घटिया आजम खां से शोभायात्रा निकाली गई, जो एमजी रोड होते हुए सुभाष पार्क के सामने स्थित वाल्मीकि वाटिका पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में 100 से ज्यादा लोग शामिल हुए। भगवान वाल्मीकि के जीवन पर आधारित दर्जनों झांकियां सजाई गई। सबसे आगे भगवान वाल्मीकि की पालकी चल रही थी, जिसके सामने समाज के लोग झाड़ू लगाते हुए चल रहे थे। रास्ते में जगह–जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। लोगों ने पालकी पर फूल बरसाए। सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहा। शाम को नगर निगम परिसर से जयंती की बड़ी शोभायात्रा निकाली जानी है। वाल्मीकि महापंचायत के अध्यक्ष गौरव वाल्मीकि के नेतृत्व में निकली शोभायात्रा में शामिल लोगों ने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से समाज को ज्ञान दिया। उनके बताए मार्ग पर चलकर शिक्षा और संस्कारों को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगरा में हर साल प्रभात फेरी और शोभायात्रा निकालकर जयंती मनाई जाती है।

महिला से चेन स्नैचिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

आगरा,संवाददाता। जगदीशपुरा में महिला से चेन स्नैचिंग की वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने अंतरजनपदीय गैंग के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों पर 44 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से पिघली हुई सोने की धातु, नकदी और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार 18 अक्टूबर को जगदीशपुरा थाना क्षेत्र की एक महिला ने तहरीर दी थी। महिला ने बताया था कि 17 अक्टूबर को वह अपनी बेटी के साथ बाजार जा रही थी। श्याम वृंदावन अपार्टमेंट के पास बाइक सवार दो युवकों ने उनके गले से चेन पेंडल सहित और मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। तहरीर के आधार पर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए थाना जगदीशपुरा, सर्विलांस और एसओजी नगर

संक्षिप्त....

सरकारी जमीन पर बन रही अवैध दुकानें

बहराइच,संवाददाता। जिले के नानपारा इलाके में नगर पालिका प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बन रही अवैध दुकानों को बुलडोजर से गिरा दिया। यह कार्रवाई मोहल्ला किला स्थित राहत जनता इंटर कॉलेज के पास की गई। नगर पालिका के मुताबिक इन निर्माणों के लिए नोटिस जारी किया गया था। इसमें बताया गया था कि बिना नक्शा पास कराए दुकानें बनाई जा रही हैं, जो नगर पालिका अधिनियम–1916 की धारा 185 का उल्लंघन है। नोटिस में निर्माण तुरंत रोकने और तीन दिन के भीतर जमीन के मालिकाना हक से जुड़े सबूत नगर पालिका ऑफिस में जमा करने को कहा गया था। जरूरी दस्तावेज जमा न होने पर प्रशासन ने यह कार्रवाई की। नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माणाधीन दुकानों को ध्वस्त कर दिया। प्रशासन ने साफ किया कि बिना स्वीकृत नक्शे के हो रहे निर्माणों के खिलाफ नियमों के हिसाब से कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एक बीघा गन्ने की फसल जली

बस्ती,संवाददाता। लालगंज थाना क्षेत्र के ठकुरापार गांव के सिवान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग ने पास के गन्ने के खेत को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे करीब एक बीघा फसल जलकर राख हो गई। किसान को इस घटना से नुकसान हुआ है। आग लगने की खबर मिलते ही गांव के लोग एकजुट होकर बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों की तत्परता से आग को ज्यादा फैलने से रोका जा सका। इसके बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। लालगंज थाना अध्यक्ष दिनेश चंद्र चौधरी ने तुरंत महादेवा चौकी की पुलिस टीम को घटनास्थल पर भेजा। फायर विभाग बस्ती को सूचना के 15 मिनट के भीतर दमकल की गाड़ी पहुंच गई थी। ग्रामीणों, पुलिस और दमकल की सक्रियता से आग को आसपास के खेतों में फैलने से रोका गया। हालांकि, आग लगने के असली कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

सड़क पर पलटी ईंटों से भरी ट्रॉली

बस्ती,संवाददाता। गौर से भभनान जाते समय सड़क पर ईंटों से भरी एक ट्रॉली पलट गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस टीम ने तेजी दिखाते हुए मजदूरों के साथ मिलकर सड़क पर बिखरी ईंटें हटानी शुरू कीं। पुलिसकर्मियों ने मजदूरों की मदद से ईंटों और पलटी हुई ट्रॉली को सड़क से हटवाया। इस सक्रियता के कारण सड़क पर यातायात लंबे समय तक रुका नहीं और जल्द ही सामान्य हो गया। ट्रॉली पलटने की आवाज सुनकर लोग कुछ देर के लिए डर गए थे, लेकिन किसी को चोट न लगने की खबर से सभी को राहत मिली। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस तत्परता की तारीफ की।

तालाब में तीन मगरमच्छ दिखे

बहराइच,संवाददाता। जिले के सुजौली थाना क्षेत्र की कतर्नियाघाट रेंज के बर्दिया गांव में तालाब में तीन मगरमच्छ देखे गए हैं। इनमें एक बड़ा और दो छोटे मगरमच्छ शामिल हैं। इनकी मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत है। यह तालाब गांव के पास है, जहां लोगों का आना–जाना लगा रहता है। ग्रामीणों को डर है कि अगर मगरमच्छ तालाब से बाहर आबादी में आ गए, तो कोई हादसा हो सकता है। बच्चों की सुरक्षा को लेकर ग्रामीण ज्यादा चिंतित हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से इसकी शिकायत की है। हालांकि, अभी तक मगरमच्छों को पकड़ने या सुरक्षित जगह पहुंचाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपाइयों ने खड़गे का पुतला फूंका

अमेठी,संवाददाता। जिले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के एक बयान से भाजपा नाराज है। इसी नाराजगी के चलते भाजपाइयों ने कांग्रेस कार्यालय के बाहर उनका पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। यह प्रदर्शन जिला महामंत्री विष्णु मिश्रा के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा, ताकि कोई दिक्कत न हो। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि खड़गे का हालिया बयान निंदनीय है और वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। विष्णु मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा ऐसी राजनीति करती है, जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पुतला दहन के बाद भाजपा कार्यकर्ता वहां से चले गए।

भाजपा ने वाल्मीकि जयंती पर प्रबुद्धजनों को किया सम्मानित

अमेठी,संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर एक कार्यक्रम किया। यह कार्यक्रम विधानसभा जगदीशपुर में दोपहर तीन बजे आयोजित हुआ। इसमें वाल्मीकि समाज के प्रबुद्धजनों को सम्मानित किया गया। भाजपा ने इस मौके पर सामाजिक समरसता, समानता और सम्मान का संदेश दिया। जिला प्रभारी सुनील सिंह ने कहा कि भाजपा इसी संदेश के साथ आगे बढ़ रही है। अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष रोहित चौधरी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि सुनील सिंह ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें नमन किया।

210 रुपये की स्केटिंग योजना से चमके ग्रेटर नोएडा के खिलाड़ी यूपी स्टेट चैंपियनशिप में जीते रजत और कांस्य पदक

नोएडा,संवाददाता। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू की गई 210 रुपये वाली स्केटिंग योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। 12वीं यूपी स्टेट रोलर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप एवं नेशनल 2026 के लिए आयोजित रोलर डर्बी चयन ट्रायल में कॉम्प्लेक्स के खिलाड़ियों और कोच ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कोच चरण सिंह ने कांस्य पदक, जबकि जूनियर गर्ल्स टीम की जीवशी और शब्दित श्रीवास्तव ने रजत पदक हासिल किया। इस प्रदर्शन के आधार पर तीनों का चयन राष्ट्रीय रोलर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए हुआ है। चैंपियनशिप की सीनियर बॉयज रोलर डर्बी स्पर्धा में शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के स्केटिंग कोच चरण सिंह ने मैदान पर उतरकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं, जूनियर गर्ल्स रोलर डर्बी स्पर्धा में उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेने वाली जीवशी और शब्दित श्रीवास्तव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी गति, संतुलन और रणनीति से प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन किया। यूपी स्टेट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के आधार पर कोच चरण सिंह और खिलाड़ी

जीवशी व शब्दित श्रीवास्तव का चयन राष्ट्रीय रोलर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए किया गया है। यह प्रतियोगिता 5 से 15 दिसंबर 2026 तक बेंगलुरु में आयोजित होगी।

अब तीनों राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिलाधिकारी और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के समन्वय से शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आम जनता और बच्चों के लिए 210 रुपये वाली स्केटिंग योजना शुरू की गई है। इसका उद्देश्य कम शुल्क में खेल सुविधाएं उपलब्ध कराकर जमीनी स्तर पर छिपी प्रतिभाओं को सामने लाना है। योजना के तहत खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और अभ्यास के अवसर मिल रहे हैं। प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली के निरीक्षण और मार्गदर्शन में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खिलाड़ियों को खेल संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, स्केटिंग कोच चरण सिंह के तकनीकी मार्गदर्शन और नियमित प्रशिक्षण से खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। क्रीड़ा अधिकारी और स्केटिंग कोच चरण सिंह ने बताया कि 210 रुपये के किफायती शुल्क पर शुरू की गई योजना का उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारना है।

बालू लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने पेंटर को कुचला

बस्ती,संवाददाता। जिले में बालू लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली ने युवक को कुचल दिया। काम पर जाने के लिए घर से निकला था। सिविल लाइन स्थित विवाह मंडप के सामने पहुंचे थे, तभी पीछे से आई ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद परिवार में चीख–पुकार मच गई। बेटे की मौत से मां शकलवती देवी का रो–रोकर बुरा हाल है। कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइन में सोमवार सुबह करीब 11 बजे हादसा हुआ। नगर थाना क्षेत्र के जूजाजाता निवासी गोगई के बेटे श्याम पाल रोज की तरह पेंटिंग का काम करने कंपनी बाग की तरफ जा रहे थे। विवाह मंडप के सामने पीछे से आई बालू लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने से श्याम पाल की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। श्याम पाल पांच भाइयों और तीन बहनों में तीसरे नंबर पर थे। वह पेंटिंग का काम करके परिवार की आजीविका में सहयोग करते थे। उनकी मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है। तीन बहनों में दो की शादी अभी नहीं हुई है, जबकि पांच भाइयों में तीन की शादी होना बाकी है। श्याम पाल की मौत की खबर घर पहुंचते ही मां शकलवती देवी बदहवास हो गईं। वह बार–बार बेटे को याद कर बिलख रही हैं। परिवार के अन्य सदस्यों का भी रो–रोकर बुरा हाल है। घर में चीख–पुकार से माहौल गमगीन हो गया।

वनग्राम को राजस्व ग्राम बनाने की मांग पर बैठक

बहराइच,संवाददाता। मोतीपुर मिहींपुरवा तहसील के निषाद नगर में 26 अक्टूबर 2026 को एक बैठक हुई। इसमें वनग्राम निषाद नगर को राजस्व ग्राम में बदलने की पुरानी मांग पर चर्चा की गई। स्थानीय ग्रामीण, समाजसेवी और संगठनों के प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए। ग्रामीणों ने बताया कि वनग्राम होने से उन्हें बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और पक्के मकान जैसी सरकारी योजनाएं लागू करने में कानूनी दिक्कतें आती हैं। उन्होंने सभी पात्र वनग्रामों को तुरंत राजस्व ग्राम घोषित करने, कृषि भूमि और आवास का स्थायी पट्टा देने की मांग की। साथ ही, सड़क, पीने का पानी, स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था करने को कहा। बैठक में तय हुआ कि मांगों से जुड़ा ज्ञापन जल्द ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सौंपा जाएगा। संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को सौंपा जाएगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी न्यायसंगत मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

देवरही मंदिर में 24 घंटे का रामायण पाठ शुरू

वाल्मीकि समुदाय के लोगों को बांटी गई रामायण की पुस्तकें

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

देवरिया। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को शहर के देवरही मंदिर में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद और जिला प्रशासन के निर्देशन में 24 घंटे के रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

रामायण पाठ विनोद कुमार त्रिपाठी की कलाकार टीम कर रही है, जबकि सुनील कुमार मिश्रा की टीम भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रही है। इस अवसर पर वाल्मीकि समुदाय के लोगों को रामायण की पुस्तकें वितरित की गईं।

कार्यक्रम का उद्देश्य महर्षि वाल्मीकि की रचित रामायण के आदर्शों, जीवन मूल्यों और शिक्षाओं को जन–जन तक पहुंचाना तथा उन्हें जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना है। रामायण पाठ और भजन–कीर्तन से मंदिर परिसर भक्तिमय बना हुआ है।

गंगा स्नान कर लौट रहे युवक को डंपर ने कुचला, एक की मौत, साथी घायल

अमेठी,संवाददाता। जिले में सोमवार सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सुबह करीब 7.30 बजे जगदीशपुर मोड़ के पास हुआ। टक्कर के बाद दोनों बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरे। पुलिस के मुताबिक, अज्ञात डंपर ने बाइक नंबर यूपी 36 ह 2252 को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार टेढ़ी का पुरवा, थाना मुंशीगंज निवासी धर्मपाल यादव (45) की मौके पर ही मौत हो गई।

उनके साथ बाइक पर सवार जितेंद्र कुमार (30), पुत्र बलराम यादव, गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल जितेंद्र को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जबकि धर्मपाल के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मृतक और घायल के परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंच गए। दोनों मुंशीगंज थाना क्षेत्र के टेढ़ी का पुरवा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस हादसे के बाद मौके से फरार डंपर चालक की तलाश कर रही है। अमेठी में लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता है।

नि:शुल्क नेत्र शिविर में 235 मरीजों की आंखों की जांच

अमेठी,संवाददाता। जिले के संग्रामपुर विकासखंड के गोरखापुर न्याय पंचायत अंतर्गत इटौरी पंचायत भवन में सती महारानी जनकल्याण समिति और अमेठी आई हॉस्पिटल की ओर से विशाल नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 235 मरीजों की आंखों की जांच की गई। जरूरतमंदों को चश्मे वितरित किए गए, जबकि मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया। शिविर में ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की आंखों की जांच के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ब्लड प्रेशर और शुगर की भी जांच की। कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक महारानी गरिमा सिंह की पुत्रवधू शांभवी सिंह ने मरीजों का हालचाल जाना और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अमेठी के लोगों के साथ अपने आत्मीय रिश्ते साझा करते हुए जनसेवा के इस अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर जनसमस्या समाधान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों की आवास, पेंशन, बिजली, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड से जुड़ी समस्याओं को सुना गया तथा उनके समाधान के प्रयास किए गए।

आगरा शिक्षक एमएलसी री-पोल में बवाल, सैंया बूथ पर भाजपा-सपा समर्थक भिड़े, पुलिस ने संभाला मोर्चा

आगरा,संवाददाता। आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के तीन बूथों पर सोमवार को हो रहे पुनर्मतदान के दौरान सियासी घमासान देखने को मिला। सैंया मतदान केंद्र पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) के समर्थक आमने–सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। घटना के बाद मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। इस बीच सपा ने भाजपा पर बूथ कैप्चरिंग और शिक्षकों को धमकाने का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए पलटवार किया। फतेहाबाद, सैंया और खेरागढ़ के एक–एक बूथ पर सुबह आठ बजे से पुनर्मतदान शुरू हुआ। इन तीनों बूथों पर कुल 2,346 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। मतदान शाम चार बजे तक निर्धारित है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल के साथ जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल समेत वरिष्ठ अधिकारी मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर नजर रख रहे हैं। सैंया बूथ पर भाजपा और सपा समर्थकों के बीच उस समय तनाव बढ़ गया, जब भाजपा समर्थकों ने जय श्रीराम के नारे लगाने शुरू कर दिए। दोनों पक्षों के आमने–सामने आने के बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया और समर्थकों को अलग–अलग किया। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। पुलिस मतदान केंद्र के आसपास निगरानी रख रही है और मतदाताओं को जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने पुनर्मतदान के दौरान भाजपा पर बूथ कैप्चरिंग और दबंगई का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थकों की ओर से मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

हर छोटी– छोटी बात में परेशान हो जाता है आपका बच्चा, तो आज से शुरू कर दें उन्हें पैदल चलाना

एक अध्ययन में पाया गया है कि 11–12 साल की उम्र में रोजाना ज्यादा कदम चलने वाले बच्चों में एक साल बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का जोखिम कम पाया गया। द जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जेएएमए) नेटवर्क ओपन में प्रकाशित अध्ययन के निष्कर्षों में यह भी सामने आया कि रोजाना 12,000 या उससे अधिक कदम चलने का अधिक कदमों और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध बना रहा। आंकड़ों में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि एक निश्चित संख्या के बाद अधिक कदम चलने का लाभ बढ़ना बंद हो गया। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि सबसे अधिक कदम चलने वाले किशोरों के मस्तिष्क के उन हिस्सों में भी अंतर देखा गया, जो शरीर की गतिविधियों और मनोदशा से जुड़े हैं। इन अंतर ने कदमों की संख्या और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंध को समझाने में मदद की। विशेषज्ञों का कहना है कि किशोरावस्था मस्तिष्क के विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण दौर है इसलिए यह देखना उत्साहजनक है कि शारीरिक गतिविधि के फायदे दोनों पर पड़ते हैं। यह ऐसी

स्थिति नहीं है कि या तो पूरा लाभ मिले या बिल्कुल भी लाभ न मिले। इसका फायदा उठाने के लिए किशोरों का उत्कृष्ट स्तर का खिलाड़ी होना जरूरी नहीं है। विशेषज्ञ कहते हैं कि रोजाना जितने कदम आप पहले से चल रहे हैं, उसमें 1,000 से 2,000 कदम की बढ़ोतरी भी मस्तिष्क की बेहतर संरचना और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े बेहतर परिणामों से संबंधित पाई गई। इसके बाद कदमों की संख्या बढ़ाने के साथ यह लाभ और बढ़ता जाता है। उन्होंने रोजाना अधिक सक्रिय रहने के लिए व्यावहारिक और लंबे समय तक जारी रखे जा सकने वालेश तरीके अपनाने की सलाह दी। जैसा कि स्कूल पैदल जाना, भाग–दौड़ वाले खेलों में हिस्सा लेना और ऐसी गतिविधियां करना, जिनमें किशोरों की वास्तव में रुचि हो, रोजाना अधिक चलने के आसान अवसर हो सकते हैं। इससे किशोर जिस स्तर से शुरुआत कर रहे हैं, वहीं से शारीरिक गतिविधि के लाभ हासिल कर सकते हैं। अध्ययन में शामिल 5,515 किशोरों पर नजर रखी गई। प्रतिभागियों ने 11 से 12 वर्ष की उम्र के आसपास तीन सप्ताह तक फिटबिट उपकरण पहने। एक साल बाद शोधकर्ताओं ने किशोरों और उनके माता–पिता से प्रश्नावली भरवाकर उनके मानसिक स्वास्थ्य का आकलन किया। इसमें चिंता, उदासी और व्यवहार संबंधी समस्याओं जैसे लक्षणों को मापा गया। इन जवाबों की तुलना प्रत्येक किशोर द्वारा रोजाना चले गए कदमों की संख्या से की गई। एक दिन में 5,000 से कम कदम चलने वाले किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लक्षण सबसे अधिक पाए गए। करीब 8,000 कदम रोजाना चलने वाले किशोरों में ये लक्षण कम थे, जबकि 12,000 या उससे अधिक कदम चलने वालों में सबसे कम लक्षण पाए गए।श्यह अध्ययन अब तक के सबसे स्पष्ट प्रमाणों में से एक है कि रोजाना कदमों की संख्या जैसी सामान्य, कम खर्चीली और आसानी से अपनाई जा सकने वाली शारीरिक गतिविधि किशोरों के मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य के विकास से जुड़ी है।

क्रिसमस से प्यार, लेकिन एक जनवरी के बाद नहीं चाहिए जश्न, हिलेरी डफ ने बताई दिलचस्प बात

अभिनेत्री और गायिका हिलेरी डफ क्रिसमस पर प्यार और उलझन, दोनों महसूस करती हैं। हालांकि, वह इस त्योहार से जुड़ी परंपराओं, संगीत, सजावट और खरीदारी का खूब आनंद लेती हैं, लेकिन चाहती हैं कि इसका उत्साह एक जनवरी तक खत्म भी हो जाए। अब हिलेरी अपने नए ईपी हॉलिडे थिंग्स के जरिए क्रिसमस के इसी खास रंग को लेकर आई हैं। हिलेरी ने इंस्टाग्राम पर अपने नए ईपी के कवर फोटोशूट की कई तस्वीरें साझा कीं। इसके साथ उन्होंने बताया कि उन्हें क्रिसमस बहुत पसंद है। त्योहार से जुड़ी परंपराएं, गाने, सजावट, गर्म कपड़े पहनना, खरीदारी करना और जिंजरब्रेड से घर बनाना उन्हें काफी पसंद है। हालांकि, वह इस पूरे उत्साह को सीमित समय तक ही रखना चाहती हैं। उन्होंने लिखा, जो लोग मुझे जानते हैं, वे जानते हैं कि मुझे क्रिसमस और छुट्टियों का मौसम बहुत पसंद है, लेकिन इसके साथ मेरा रिश्ता थोड़ा उलझा हुआ भी है। मैं क्रिसमस के उत्साह, परंपराओं, संगीत, सजावट, स्वेटर, खरीदारी, जिंजरब्रेड के घरों और ऐसी तमाम चीजों के लिए उत्साहित रहती हूं। लेकिन मैं चाहती हूं कि यह सब एक जनवरी तक खत्म हो जाए और सारी चीजें वापस अटारी में रख दी जाएं। हिलेरी ने आगे अपने फैंस से नए ईपी का आनंद लेने की अपील की। उन्होंने कहा, इस ईपी को खूब सुनें, फिर इसे समेटकर रख दें और अगले साल दोबारा इसका आनंद लें। मेरा नया ईपी हॉलिडे थिंग्स अब रिलीज हो चुका है। हिलेरी डफ ने अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत साल 2002 में क्रिसमस एल्बम सांता क्लॉज लेन से की थी। इस एल्बम में क्रिसमस से जुड़े कई लोकप्रिय गानों के नए वर्जन शामिल थे। इस क्रिसमस एल्बम में सांता क्लॉज इज कमिंग टू टाउन, जिंगल बेल रॉक, वंडरफुल क्रिसमस टाइम, स्ली राइड और लास्ट क्रिसमस जैसे लोकप्रिय गानों के नए वर्जन शामिल हैं।

दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट रद्द होने पर कुनिका सदानंद ने कहा– सरकार को जरूर कोई सूचना मिली होगी

अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के दिल्ली कॉन्सर्ट रद्द होने पर अपनी बात रखी। उनका कहना है कि सरकार को किसी तरह की सूचना मिली होगी तभी गायक का कॉन्सर्ट रद्द किया गया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कलाकारों की सिक्योरिटी पर चिंता जाहिर करते हुए कहा, हमारे देश में, खासकर कलाकारों को सिक्योरिटी की जरूरत तो है ही, क्योंकि आप देख रहे हैं कि आए दिन किसी न किसी सेलेब्रिटी के साथ घटनाएं हो रही हैं। अगर सिक्योरिटी की वजह से दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट रद्द किया गया है, तो प्रशासन

को जरूर कुछ जानकारी मिली होगी। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि उन्हें कॉन्सर्ट रद्द होने के पीछे की वजह नहीं पता है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता है कि इस कॉन्सर्ट को किसने रद्द किया है। सरकार की तरफ से किया गया है या फिर दिलजीत दोसांझ की तरफ से किया गया है। अगर सरकार ने किया है, तो उनके पास कोई न कोई सूचना तो होगी, जिस वजह से उन्होंने सेफ्टी की वजह से ऐसा किया है। बता दें कि गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ का दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 30 अक्टूबर 2026 को होने वाला ऑरा इंडिया टूर कॉन्सर्ट दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों और अनुमति नहीं मिलने के कारण रद्द कर दिया है। दिल्ली पुलिस के साउथ डिस्ट्रिक्ट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) के कार्यालय ने टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म बुक माय शो को पत्र भेजकर इस कार्यक्रम को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। दरअसल, पुलिस ने कॉन्सर्ट रद्द करने के पीछे की वजह सुरक्षा खतरों से जुड़े इनपुट, त्योहारों के सीजन की सुरक्षा व्यवस्था और कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हवाला दिया है।

मलाइका के जन्मदिन पर अमृता ने ली चुटकी, बोलीं– नाम देवदूतों वाला, लेकिन असली शैतान को मैं जानती हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा शुक्रवार को 53वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन पर उनकी छोटी बहन अमृता अरोड़ा ने अलग अंदाज में बधाई दी। उन्होंने मलाइका के लिए एक कविता लिखी, जिसमें प्यार के साथ–साथ उनकी जमकर खिंचाई भी की। अमृता की इस कविता पर मलाइका ने प्यार लुटाया, तो वहीं करीना कपूर खान भी उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सकीं। अमृता ने इंस्टाग्राम पर मलाइका की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में प्यारी सी कविता लिखी और उनके साथ अपने पुराने दिनों की यादों को ताजा किया। अमृता ने लिखा, मल्ला (मलाइका), मेरी बहन, जिसका अंदाज सबसे अलग है। हमें क्या पहनना है, किसकी पसंद अच्छी है और किसकी बात मानी जाए, इन बातों पर घंटों बहस होती थी, लेकिन कोई हल नहीं निकलता था। फिर भी, हर मुश्किल में हम हमेशा एक–दूसरे के साथ खड़े रहे। हमने खूब बहस देखी, कई बार आंसू भी बहाए, लेकिन इन सबने हमें साल–दर–साल और करीब ला दिया। अमृता ने आगे मलाइका की खिंचाई करते हुए लिखा, मलाइका के नाम का मतलब देवदूत है, इसलिए आप बाकी सबको बेवकूफ बना सकती हो, लेकिन मुझे नहीं। मैं उस असली शैतान को जानती हूं, जो आपके अंदर छिपा बैठा है। उफ्फ! आखिरकार मैंने तुमसे किया कविता लिखने का वादा पूरा कर दिया। अच्छा, अब जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी बहन। तुमसे बहुत प्यार है। बहन अमृता की कविता पढ़कर मलाइका ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कमेंट में लिखा, आखिरकार मुझे अपनी कविता मिल ही गई। इसके साथ उन्होंने लव इमोजी भी शेयर किए। वहीं करीना कपूर खान ने भी अमृता की तारीफ करते हुए मजेदार कमेंट किया। करीना ने लिखा, अमृता जी, तालियां बनती हैं। बहुत अच्छा। इसके बाद उन्होंने अमृता से तुरंत व्हाट्सऐप मैसेज भेजने को कहा और कमेंट में लिखा, अब मुझे व्हाट्सऐप पर मैसेज भेजो। इनके अलावा, एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने भी कमेंट में लव हार्ट भेजा।

बर्लिन से टोरंटो तक पहुंची श्वेता त्रिपाठी की फिल्म, कहा– प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का बदला नजरिया

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट तक ले जा रही हैं। इस साल की शुरुआत में बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से सफर शुरू करने वाली उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फीचर फिल्म अब टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2026 तक पहुंच गई है। श्वेता का कहना है कि प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह सिर्फ फिल्म बनाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि यह भी सोचती हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी और इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है। श्वेता ने कहा, आप जिस फिल्म पर भरोसा करते हैं, उसे किसी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक ले जाना अपने आप में खास होता है। खासकर तब, जब बतौर प्रोड्यूसर यह आपकी पहली फीचर फिल्म हो। बर्लिन से टोरंटो तक का सफर मेरे लिए बेहद खास रहा है, क्योंकि इस दौरान मुझे मुझे जान ना कहो मेरी जान को एक अलग तरीके से पेश करने का मौका मिला। उन्होंने आगे कहा, जब आप फिल्म को बनाने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर देखते हैं, तो आपके मन में यह सवाल आने लगते हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी, इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है और आगे इसके लिए क्या–क्या संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए सीखने का शानदार अनुभव रहा है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि इस सफर का फिल्म के लिए क्या मतलब निकलता है। श्वेता त्रिपाठी ने बताया कि बतौर प्रोड्यूसर काम करने से उन्हें कहानी कहने के तरीके को एक नए नजरिए से समझने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी कहने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया है। एक एक्टर के तौर पर आप किसी किरदार और कहानी को पर्दे पर जीवंत करने में पूरी तरह जुटे रहते हैं।

तांबे के लोटे में पानी पीते हैं तो इन गलतियों से बचें, वरना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

तांबे के बर्तन में पानी रखकर पीना भारतीय घरों में लंबे समय से चली आ रही परंपरा है। कई लोग सुबह उठकर तांबे के लोटे या गिलास में रखा पानी पीते हैं और इसे सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। माना जाता है कि तांबे के संपर्क में रहने से पानी में मौजूद कुछ हानिकारक बैक्टीरिया कम हो सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तांबे का पानी जितना ज्यादा पिया जाए, उतना ही फायदा होगा। तांबे के बर्तन का इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। खासकर पानी को बहुत लंबे समय तक तांबे के संपर्क में रखना या जरूरत से ज्यादा तांबे का पानी पीना सही नहीं माना जाता।

तांबे के बर्तन में पानी बहुत देर तक न रखें

कई लोग रात में तांबे के लोटे में पानी भरकर रख देते हैं और सुबह उसे पीते हैं। अगर ऐसा करते हैं तो पानी को लंबे समय तक तांबे के संपर्क में रखने की आदत न बनाएं। पानी में तांबे की मात्रा कई चीजों पर निर्भर कर सकती है, जैसे पानी की प्रकृति, तापमान और कितनी देर तक पानी बर्तन के संपर्क में रहा। इसलिए तांबे के बर्तन को सामान्य पानी के स्टोरेज कंटेनर

की तरह इस्तेमाल करने के बजाय सीमित और उचित तरीके से इस्तेमाल करना बेहतर है।

जरूरत से ज्यादा तांबे का पानी न पिएं

तांबा शरीर के लिए जरूरी खनिज है, लेकिन इसकी जरूरत बहुत कम मात्रा में होती है। ज्यादा मात्रा में तांबा शरीर में पहुंचने पर मतली, उल्टी, पेट दर्द और दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए तांबे के पानी को दिनभर सामान्य पानी की तरह बार–बार पीने की जरूरत नहीं है। रोजाना कितनी मात्रा आपके लिए ठीक है, यह व्यक्ति की सेहत और आहार पर भी निर्भर करता है।

तांबे के बर्तन में खट्टी चीजें रखने से बचें

तांबे के बर्तन में नींबू, इमली, सिरका, अचार या दही जैसी खट्टी चीजें रखने से बचना चाहिए। अम्लीय खाद्य पदार्थ तांबे के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं और भोजन या पेय में तांबे की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

तांबे के बर्तन की सफाई भी है जरूरी

तांबे के बर्तन को नियमित रूप से साफ रखना जरूरी है। इस्तेमाल के बाद उसे अच्छी तरह धोकर सुखाएं और उसमें गंदा या बासी पानी जमा करके न रखें।

अगर बर्तन की अंदरूनी सतह पर हरी या नीली परत जम गई है, तो उसे साफ किए बिना इस्तेमाल न करें।

किन लोगों को ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए

अगर आपको पहले से लिवर या किडनी से जुड़ी कोई समस्या है, शरीर में तांबे के स्तर से जुड़ी बीमारी है या आप नियमित रूप से कोई दवा लेते हैं, तो तांबे के पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

ध्यान रखें: तांबे के बर्तन में पानी पीना किसी बीमारी का इलाज नहीं है। अगर किसी स्वास्थ्य समस्या के लक्षण हैं, तो घरेलू उपायों पर निर्भर रहने के बजाय डॉक्टर से उचित जांच और सलाह लेना जरूरी है।

दूसरा टी 20 : शानदार जीत के बाद तिलक का खुलासा, गंभीर और कोटक से मिली ये खास सलाह

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 4 विकेट से रोमांचक जीत के बाद शानदार जीत दिलाने के बाद तिलक वर्मा ने बताया कि मैच जिताऊ नाबाद 51 रनों की पारी से पहले उन्हें कोच गौतम गंभीर और सितांशु कोटक से क्या खास संदेश मिला था? शनिवार को हेगली ओवल में न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतर भारतीय टीम ने 70 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद तिलक वर्मा ने नमन धीर (31) के साथ छठे विकेट के लिए 42 रन और नितीश रेड्डी (नाबाद 26) के साथ सातवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रन की अटूट साझेदारी करते हुए भारत को जीत दिलाई। तिलक ने एक बार फिर मुश्किल समय में बेहतरीन प्रदर्शन किया, ठीक वैसा ही जैसा पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में किया था। मेन इन ब्लू के लिए जो जीत नामुमकिन लग

रही थी, उसे हासिल करने में तिलक ने अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस दौरान तिलक ने बताया कि दूसरे टी20 से पहले हेड कोच गौतम गंभीर और बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने उन्हें क्या सलाह दी थी? जब तिलक वर्मा से पूछा गया कि वह शुरुआती 5 विकेट गिरने के बाद क्या सोच रहे थे, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं बस अंत तक खेलने के बारे में सोच रहा था। आज के मैच से ठीक पहले, मेरी बात कोच गौतम सर और सितांशु कोटक सर से हुई थी। उन्होंने मुझसे एक ही बात कहीरू हमें पूरा भरोसा है, और पूरा भारत आप पर भरोसा करता है। अगर आप अंत तक टिके रहे, तो आप हमारे लिए मैच जरूर जीतेंगे। तो बस यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। मैं मैच को जितना हो सके उतना आगे तक ले जाना चाहता था। अंत में, वही हुआ जिस पर सभी को भरोसा था। मुझे खुद पर बहुत गर्व है। तिलक ने बताया, मैंने नमन से कहा था कि हम अंत तक टिके रहेंगे। आज विकेट पिछले मैच की तुलना में थोड़ा धीमा था, इसलिए मैंने नमन से कहा कि जब स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों, तो हमें विकेट के बीच तेजी से दौड़ना होगा। यही हमारी योजना थी। जब स्पिनर गेंदबाजी कर रहे थे, तो हमने तेजी से रन लिए। बदकिस्मती से, नमन मिचेल सेंटनर के आखिरी ओवर में आउट हो गए। वर्ना, मुझे लगता है कि हम 18वें ओवर में ही मैच खत्म कर देते। नमन को भी इसका श्रेय जाता है, उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह शानदार थी। मिचेल सेंटनर ने अपने आखिरी ओवर में नमन को आउट किया। इस मैच में न्यूजीलैंड के कप्तान ने कुल 4 विकेट लिए।

दो दिवसीय आउटलाइन प्रीमियर लीग शुरू

चंडीगढ़, एजेंसी। युवा आईटी प्रोफेशनल्स में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय आउटलाइन प्रीमियर लीग (ओपीएल) 2026 को सेक्टर–23 में शुरू हुई। इस प्रतियोगिता में करीब 300 आईटी प्रोफेशनल्स हिस्सा ले रहे हैं और क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न खेलों के शुरुआती मुकाबले खेले गए। क्रिकेट में नौ टीमें और फुटबॉल में चार टीमें चौंपियनशिप ट्रॉफी के लिए मुकाबला कर रही हैं। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले रविवार शाम को खेले जाएंगे। इस पहल के जरिए कर्मचारियों में टीम भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

श्री रामचरितमानस सेवा ट्रस्ट ने रामलीला कलाकारों को किया सम्मानित, प्रीति भोज का आयोजन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम। श्री रामचरितमानस सेवा ट्रस्ट (पंजीकृत) सेक्टर–82 वाटिका इंडिया नेक्स्ट ने रामलीला मंचन में भाग लेने वाले कलाकारों के सम्मान में एक आभार और प्रीति भोज कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट ने सभी कलाकारों के उत्कृष्ट अभिनय, दिन–रात की मेहनत और समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि रामलीला केवल एक मंचन नहीं है, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों को मर्यादा, त्याग और आदर्शों की सीख देता है। कलाकारों ने भगवान श्रीराम के चरित्र को जीवंत कर दर्शकों का दिल जीत लिया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष रविंद्र भारद्वाज ने सभी कलाकारों का धन्यवाद करते हुए कहा कि अपने व्यस्त परिवार और काम से समय निकालकर प्रभु श्रीराम की सेवा करना सराहनीय है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि संस्था हर साल कुछ बेहतर करने का प्रयास करती है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष तरुण शर्मा और कोषाध्यक्ष प्रीति जोशी सहित ट्रस्ट के सभी सदस्य मौजूद रहे। रात्रि भोज के दौरान सभी ने एकजुट होकर अपनी सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने और भविष्य में बड़े स्तर पर ध ार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन करने का संकल्प लिया।

पीटी उषा ने एशियन पैरा गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर भारतीय एथलीटों की तारीफ की

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने रविवार को जापान के आइची–नागोया में हुए एशियन पैरा गेम्स 2026 में देश के पैरा–एथलीटों को रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के लिए बधाई दी। भारत ने 114 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। पीटी उषा ने एक्स पर लिखा, एशियन पैरा गेम्स में हमारे पैरा–एथलीटों ने हिम्मत, पक्का इरादा और पूरी काबिलियत का जबरदस्त प्रदर्शन किया। जीता गया हर एक मेडल आपके पक्के इरादे और घंटों की कड़ी मेहनत का सबूत है। आपने न सिर्फ देश को गर्व महसूस कराया है, बल्कि पूरे भारत में लाखों लोगों को हर मुश्किल के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित भी किया है। हमारे सभी शानदार चौंपियन, कोच और सपोर्ट स्टाफ को दिल से बधाई। चमकते रहो

और ऊंचे उठते रहो। भारत ने अपना कैंपेन 30 गोल्ड, 35 सिल्वर और 49 ब्रॉन्ज मेडल के साथ खत्म किया, जो चीन के हांगझोऊ में 2023 एडिशन में हासिल किए गए 27 गोल्ड समेत 108 मेडल के अपने पिछले श्रेष्ठ प्रदर्शन से ज्यादा है। टीम ने लगातार दूसरे एडिशन में 100 मेडल का आंकड़ा भी पार किया, जिससे पैरा–स्पोर्ट्स में भारत की बढ़ती मौजूदगी का पता चलता है। पैरा–एथलेटिक्स का भारत की पदकों की संख्या में अहम योगदान रहा। पैरा–एथलेटिक्स में भारत ने 22 गोल्ड, 19 सिल्वर और 24 ब्रॉन्ज समेत 65 मेडल जीते। पैरा–बैडमिंटन में देश को 16 मेडल जीते, जबकि पैरा–स्विमिंग ने 11 मेडल जीते। भारत ने पैरा–आर्चरी में भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें छह मेडल जीते, और शूटिंग में पांच मेडल मिले। शानदार प्रदर्शन करने वालों में, सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन थ्रो कैटेगरी में अपना गोल्ड सफलतापूर्वक बचाया, स्प्रिंटर सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर टी12 दोनों इवेंट में गोल्ड जीता, और दोनों रेस में गेम्स रिकॉर्ड बनाए।

भारतीय शेयर बाजार में होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में दीपावली के अवसर पर रखा जाने वाला विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र 8 नवंबर को दोपहर 2रू20 से 3रू30 तक आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी दोनों एक्सचेंज की ओर से सोमवार को दी गई। एक्सचेंज की ओर से दी गई जानकारी में कहा गया कि इसमें दोपहर 2:05 से 2रू20 तक का 15 मिनट का प्री ओपन सत्र होगा। इसके बाद दोपहर 2रू20 से 3रू30 तक का सामान्य ट्रेडिंग होगी। इसमें सीएएस के तहत आने वाली सिक्योरिटीज का क्लोजिंग टाइम दोपहर 3रू15 है। इस विशेष सत्र में कई सेगमेंट शामिल होंगे, जिनमें कैपिटल मार्केट (इक्विटी), इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और कमोडिटी डेरिवेटिव्स शामिल हैं। इस दौरान होने वाले सभी ट्रेड के लिए स्टैंडर्ड सेटलमेंट और मार्केट इंटीग्रिटी प्रोटोकॉल लागू रहेंगे।

27 अक्टूबर को होगा मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन की चोट का स्कैन

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन की चोट कितनी गंभीर है, यह जानने के लिए मंगलवार (27 अक्टूबर) को उनका स्कैन किया जाएगा। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने यह जानकारी दी है। हेनरी अब बाकी बचे हुए तीन टी20 मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। वह क्राइस्टचर्च में ही रुकेंगे और 2 नवंबर को ऑकलैंड में वनडे टीम के साथ जुड़ेंगे (पहला वनडे शुरू होने से दो दिन पहले)। शनिवार के मैच में इस तेज गेंदबाज ने सिर्फ दो ओवर फेंके थे, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। कप्तान मिचेल सैंटनर ने बताया कि उन्हें पिंडली में जकड़न महसूस हो रही थी। फर्ग्यूसन भी एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर चले गए थे और वह वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच में नहीं खेलेंगे। उम्मीद है कि वह ऑकलैंड और

हैमिल्टन में होने वाले आखिरी दो मैचों के लिए टीम में वापस आ जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा रविवार को जारी एक वीडियो में वाल्टर ने कहा, दोनों खिलाड़ियों की स्थिति देखी जा रही है। सार्वजनिक अवकाश के बाद, मंगलवार को उनका स्कैन कराया जाएगा। इसके बाद हमें उनकी चोट के बारे में और जानकारी मिल सकेगी। हमेशा की तरह हम यही उम्मीद कर रहे हैं कि सब कुछ ठीक रहे, ताकि वे जल्द से जल्द वापसी कर सकें। उन्होंने आगे बताया कि न्यूजीलैंड ने शुरू से ही पूरी सीरीज के दौरान अपने तेज गेंदबाजों को रोटेट करने की योजना बनाई थी। इसका मकसद खिलाड़ियों के वर्कलोड को मैनेज करना और उनमें से कुछ को आगे होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज और दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयार करना था। इस योजना के तहत, एडम मिल्ने पिछला मैच नहीं खेले थे, जबकि काइल जैमीसन तीसरा टी20 खेलेंगे और उसके बाद वेलिंगटन में ही रुककर कैंटरबरी के लिए बेसिन रिजर्व में श्फोर्ड ट्रॉफीश मैच खेलेंगे। ब्लेयर टिकनर आखिरी तीन मैचों के लिए टीम से जुड़ेंगे, जोश क्लार्कसन आखिरी दो मैचों के लिए टीम का हिस्सा बनेंगे।

देवदत्त पडिक्कल का अर्धशतक

लिंकन भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच पहला अनौपचारिक टेस्ट मैच लिंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 106 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम न्यूजीलैंड ए द्वारा पहली पारी के आधार पर ली गई बढ़त से अभी भी 98 रन पीछे हैं। दूसरी पारी में भी भारत ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए, जबकि केएल राहुल 4 रन बनाने के बाद हिट विकेट हो गए। हालांकि, इसके बाद टीम की लड़खड़ाती हुई पारी को देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने बखूबी संभाला। दोनों ने स्टंप्स होने तक भारतीय टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। पडिक्कल अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया।

यात्रियों को महज 45 पैसे में मिलेगी 10 लाख की सुविधा, जानें कब से लागू होगा नया नियम

नई दिल्ली ,25 अक्टूबर । भारतीय रेलवे ने स्टेशन काउंटर से टिकट खरीदने वाले करोड़ों आम रेल यात्रियों को बहुत बड़ी राहत दी है। अब रेलवे स्टेशन के रिजर्वेशन काउंटर से ऑफलाइन टिकट लेने वाले यात्रियों को भी यात्रा बीमा की सुरक्षा दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के कड़े निर्देशों का पालन करते हुए रेलवे बोर्ड इस ऐतिहासिक व्यवस्था को 27 अक्टूबर 2026 से देशभर में लागू करने जा रहा है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य ऑफलाइन और ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले यात्रियों के बीच सुरक्षा भेदभाव को पूरी तरह खत्म करना है। अब तक यात्रा बीमा की यह सुविधा केवल इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (ढ़ढक्रष्टञ्जष्ट) की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले यात्रियों को ही मिलती थी। बुकिंग के दौरान वे मामूली प्रीमियम देकर बीमा का विकल्प चुन सकते थे। इसके विपरीत, जो यात्री इंटरनेट, स्मार्टफोन या डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं करते और घंटों लाइन में लगकर रेलवे काउंटर से टिकट खरीदते थे, वे इस सुरक्षा कवच से पूरी तरह वंचित रह जाते थे। सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख के बाद रेलवे ने इस नीतिगत अंतर को पाटने का निर्णय लिया है। आईआरसीटीसी की मौजूदा ऑनलाइन यात्रा बीमा योजना के तहत प्रत्येक यात्री से टैक्स सहित महज 45 पैसे का प्रीमियम लिया जाता है। इसके एवज में किसी भी रेल दुर्घटना या अप्रिय घटना में यात्री की मृत्यु होने अथवा स्थायी रूप से पूर्ण विकलांगता आने पर 10 लाख रुपये तक की बीमा राशि का प्रावधान है।

एक बार फिर निडर मुंबई इंडियंस देखने को मिलेगी, जीतने की वो आग बतौर कोच भी वैसे ही जलती रहेगी : पोलार्ड

नई दिल्ली ,25 अक्टूबर ,। मुंबई इंडियंस के नए हेड कोच कीरोन पोलार्ड ने माना कि पांच बार की आईपीएल चौंपियन टीम हाल के सीजन में अपने फैंस की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर से एक खतरनाक टीम बनने की शुरुआत अपनी इस कमी को स्वीकार करने से होगी। पोलार्ड, जो पिछले चार आईपीएल सीजन में मुंबई इंडियंस टीम के बैटिंग कोच थे अब महेला जयवर्धने की जगह लेंगे। जयवर्धने पिछले सप्ताहांत ही इस फ्रेंचाइजी से अलग हुए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर पोलार्ड का मुंबई इंडियंस और इसकी अन्य फ्रेंचाइजियों के साथ जुड़ाव आईपीएल 2010 से है, जब वह पहली बार एक खिलाड़ी के तौर पर टीम से जुड़े थे। धुआंधार बल्लेबाजी करने वाले पोलार्ड मुंबई इंडियंस की उन सभी पांच आईपीएल खिताबी जीतों (2013,

2015, 2017, 2019 और 2020) का हिस्सा रहे हैं। इसके अलावा, वह 2011 और 2013 में टीम की दो चौंपियंस लीग टी20 जीतों में भी शामिल थे। पोलार्ड ने कहा, एक टीम के तौर पर हम समझते हैं कि हम उतने अच्छे नहीं रहे हैं, जितनी फैंस हमसे उम्मीद करते हैं। बेहतर बनने की दिशा में पहला कदम यही है कि हम इस बात को स्वीकार करें। मुंबई इंडियंस के नए हेड कोच ने आगे कहा, हम मानते हैं कि आप (हमारी पलटन) अभी भी हमारे सबसे वफादार फैंस हैं। उम्मीद है कि हम वही जुनून फिर से दिखा पाएंगे जो आपने पिछले कुछ वर्षों में देखा है, और नई पीढ़ी के क्रिकेटरों के साथ मिलकर हम उन पुरानी यादों को फिर से ताजा कर सकेंगे। हम इस टीम का बैज पहनकर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शनिवार को मुंबई इंडियंस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में पोलार्ड ने कहा, हम फिर से वही जोश और जुनून देखना चाहते हैं, और उम्मीद है कि हमें एक बार फिर निडर मुंबई इंडियंस देखने को मिलेगी। पोलार्ड ने 189 आईपीएल मैच खेले, जिसमें उन्होंने 147.32 के स्ट्राइक रेट से 3412 रन बनाए और 69 विकेट लिए। उन्होंने अपना आखिरी आईपीएल सीजन 2022 में खेला था। आईपीएल 2023 से पहले उन्होंने लीग से संन्यास ले लिया था और मुंबई इंडियंस ने उन्हें बैटिंग कोच की जिम्मेदारी सौंप दी थी। अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बात करते हुए पोलार्ड ने कहा कि सबसे पहला काम यह समझना है कि किन चीजों को सुधारने की जरूरत है और अपने घरेलू मैदान पर टीम की पहचान को वापस लाना है। उन्होंने यह भी माना कि हाल के खराब प्रदर्शन से इनकार नहीं किया जा सकता। यूएई में आईपीएल 2020 जीतने के बाद से मुंबई इंडियंस ने कोई खिताब नहीं जीता है। हालांकि वह 2023 और 2025 में प्लेऑफ तक पहुंचे, लेकिन 2024 और 2026 सीजन में टीम क्रमशरू दसवें और नौवें स्थान पर रही। पोलार्ड ने कहा, जब आप पूछते हैं कि पहला काम क्या है, तो मुझे लगता है कि सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि क्या करने की जरूरत है।

25,000 रुपए की मासिक एसआईपी या 5 लाख रुपए का लंपसम निवेश, 20 साल में किससे बनेगा ज्यादा फंड ?

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के मन में अक्सर यह सवाल रहता है कि एक साथ बड़ी रकम निवेश करना बेहतर है या हर महीने थोड़ी–थोड़ी राशि लगाना। दोनों तरीकों के अपने फायदे और जोखिम होते हैं। अगर आपके पास 5 लाख रुपए हैं, तो आप इस रकम को एकमुश्त निवेश कर सकते हैं। वहीं, नियमित आय होने पर 25,000 रुपए की मासिक एसआईपी भी शुरू कर सकते हैं। लेकिन 20 साल में किस विकल्प से कितना बड़ा निवेश फंड बन सकता है? चलिए कैलकुलेशन के जरिए समझते हैं। एकमुश्त निवेश का मतलब है कि आप अपनी पूरी रकम एक ही बार में म्यूचुअल फंड में लगा देते हैं। इस तरीके में शुरुआत से ही पूरी राशि निवेशित रहती है और उसे लंबे समय तक बाजार में बढ़ने का अवसर मिलता है। हालांकि,

अगर निवेश के समय बाजार ऊंचे स्तर पर हो और उसके बाद गिरावट आए, तो आपको शुरुआती वर्षों में नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। मान लीजिए कि आप किसी इक्विटी म्यूचुअल फंड में 5 लाख रुपए का एकमुश्त निवेश करते हैं और अगले 20 साल तक आपको सालाना औसतन 12 प्रतिशत का रिटर्न मिलता है। इस स्थिति में आपका निवेश बढ़कर लगभग 48.23 लाख रुपए हो सकता है। इसमें आपकी मूल निवेश राशि 5 लाख रुपए होगी, जबकि अनुमानित लाभ करीब 43.23 लाख रुपए होगा। यानी दो दशक तक निवेश बनाए रखने पर आपकी शुरुआती रकम में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट स्कीम यानी एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। इसमें एक साथ बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती, बल्कि नियमित अंतराल पर छोटी–छोटी रकम निवेश करके लंबे समय में बड़ा निवेश कोष बनाने का प्रयास किया जाता है। नियमित वेतन या कारोबार से आय प्राप्त करने वाले लोगों के लिए यह तरीका सुविधाजनक हो सकता है। बाजार में उतार–चढ़ाव के दौरान एसआईपी के जरिए अलग–अलग कीमतों पर फंड की इकाइयां खरीदी जाती हैं जिससे निवेश की औसत खरीद लागत को संतुलित करने में मदद मिल सकती है।

आईटीएफ एम25 जीतकर हासिल किया साल का चौथा खिताब

मुंबई, एजेंसी। भारत के करण सिंह ने आईटीएफ सर्किट पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। रविवार को कूपरेज स्थित महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में आयोजित 30,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले आईटीएफ मेंस वर्ल्ड टेनिस टूर एम25 टूर्नामेंट में उन्होंने सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। तीसरी वरीयता प्राप्त करण ने फाइनल में अपनी एकेडमी के साथी खिलाड़ी दिग्विजय प्रताप सिंह को हराया। दूसरे सेट में जब करण 7–5, 3–1 से आगे चल रहे थे, तब दिग्विजय को मैच से रिटायर होना पड़ा। यह 2026 सीजन में करण का चौथा खिताब है। 23 वर्षीय खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से बेहतरीन फॉर्म में हैं। मुंबई में मिली यह जीत पिछले दो महीनों में उनका दूसरा खिताब है ।

गाड़ियों का मेंटेनेंस होगा महंगा, इस कंपनी ने किया बड़ा ऐलान, 5प्रतिशत तक बढ़ेंगी कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन के बीच वाहन चालकों और ट्रांसपोर्टर्स की जेब पर बड़ा बोझ पड़ने वाला है। देश की प्रमुख टायर निर्माता कंपनी जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने टायरों की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। कंपनी चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर–दिसंबर) के दौरान टायरों के दाम में 4 से 5 प्रतिशत तक का इजाफा करने की योजना बना रही है। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे माल की लगातार ऊंची कीमतों और कंटेनर ढुलाई खर्चों के असर से निपटने के लिए यह कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद जेके टायर के प्रबंध निदेशक अंशुमान सिंघानिया ने बताया कि कंपनी तीसरी तिमाही में कीमतों में 4 से 5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने का इरादा रखती है। इससे पहले भी कंपनी लागत का दबाव कम करने के लिए पहली तिमाही में 5 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7 प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया में जारी भू–राजनीतिक तनाव के चलते वैश्विक कारोबारी माहौल बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352

आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट् के अन्तर्गत उत्तरदायी

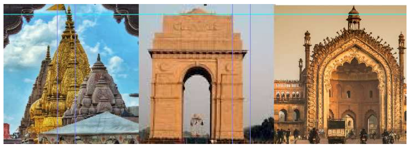

देश-विदेश

गेस्ट टीचरों का चंडीगढ़ कूच टला

अनिल विज ने मध्यस्थता कर मुख्यमंत्री से वार्ता तय कराई

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ा रहे 10,757 गेस्ट टीचरों ने नियमित करने की मांग को लेकर चंडीगढ़ कूच का कार्यक्रम फिलहाल टाल दिया है। अंबाला में सोमवार दोपहर कैबिनेट मंत्री अनिल विज का घेराव करने जा रहे गेस्ट दो नवंबर को मुख्यमंत्री से बात कराने का आश्वासन दिया गया। अनिल विज ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर से फोन पर बात कर दो नवंबर को मुख्यमंत्री से बात कराने का आश्वासन दिया।

गेस्ट टीचरों की न्याय रैली 21 अक्टूबर को सिरसा से शुरू हुई थी। उनका चंडीगढ़ जाकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम था। सोमवार सुबह 11 बजे जब टीचर शाहाबाद से अंबाला की तरफ जाने लगे, तो पुलिस ने बराड़ा रोड पर बैरिकेडिंग कर दी। टीचर दूसरे रास्तों से अंबाला के मोहड़ा पहुंच गए।

गेस्ट टीचर संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण धारसूल ने बताया कि मंत्री अनिल विज ने उन्हें बातचीत के लिए बुलाया था। उन्होंने मंत्री से कहा कि वे 2014 से जुड़े मामले को लेकर उनके पास आए हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी है और इसी वजह से उन्होंने गेस्ट टीचरों को बुलाया है। मंत्री ने उनसे सिंगल बेंच और डबल बेंच के आदेश भी मांगे।धारसूल ने बताया कि इसके बाद मंत्री अनिल विज ने मुख्यमंत्री कार्यालय में संपर्क किया। मुख्यमंत्री के निजी सचिव रविकांत से बातचीत हुई। इसके बाद राजेश खुल्लर से भी फोन पर बात की गई। बातचीत के दौरान 2 नवंबर को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री के साथ बैठक तय होने की जानकारी दी गई। इस बैठक में गेस्ट टीचरों की मांगों और उनकी समस्याओं के समाधान पर चर्चा होगी।

याचिकाकर्ता सुखविंदर सिंह के मुताबिक, 2005–06 में सरकारी स्कूलों के रिक्त पदों पर विज्ञापन, चयन समिति और मेरिट लिस्ट की प्रक्रिया के तहत करीब 12,700 गेस्ट फैकल्टी शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी। नियमित करने की मांग पर मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंचा। सरकार ने नियुक्तियों को अस्थायी व्यवस्था बताया, लेकिन उपलब्ध विवरण के अनुसार, हाईकोर्ट ने यह दलील खारिज कर दी।

अदालत ने करीब 20 साल तक सेवाएं लेने, शिक्षकों को मनमाने ढंग से अस्थायी कर्मचारी मानने और 2014 की नियमितीकरण नीतियों की वैध ता पर टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट के मदन सिंह बनाम हरियाणा राज्य मामले का भी उल्लेख किया गया, जिसमें 2014 की नीतियों की वैधता बरकरार रखी गई थी। नियमित होने पर पात्र शिक्षकों को सरकारी नियमों के अनुसार पे स्केल, डी ए, एच आर ए, मेडिकल सुविधाएं, छुट्टियां, सालाना वेतन वृद्धि, पेंशन संबंधी लाभ और प्रमोशन जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं।

मौजूदा मोर्चों पर रूस से लड़ाई रोकने को तैयार पर जमीन नहीं छोड़ेंगे : जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म करने के लिए मौजूदा मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई रोकने को तैयार है, लेकिन देश की जमीन छोड़ने का कोई सवाल नहीं उठता। एबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि वह युद्धविराम समझौते तक पहुंचने के लिए तैयार हैं, लेकिन यूक्रेन के लगभग 25 प्रतिशत क्षेत्र को छोड़ने के प्रस्ताव को उन्होंने साफ तौर पर खारिज कर दिया। जेलेंस्की ने अमेरिका से मिलने वाली सैन्य सहायता में हाल के समय में आई कमी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में यूक्रेन को अपने पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के लिए अमेरिका से केवल 24 इंटरसेप्टर मिसाइलें मिली हैं, जबकि औसतन हर महीने करीब 350 मिसाइलों की जरूरत होती है। उन्होंने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि सिर्फ गुरुवार रात को ही कीव पर 30 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया। इस बीच, अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि वॉशिंगटन की ओर से जेलेंस्की पर शांति समझौते के लिए कुछ रियायतें देने का दबाव बढ़ रहा है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह कह चुके हैं कि अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ताओं में प्रगति न होने के लिए कीव भी जिम्मेदार है। उधर, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को बताया कि रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय वार्ता नवंबर के पहले हिस्से में संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में होने वाली है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने लिया फर्रुखनगर अनाज मंडी में खरीद व्यवस्थाओं का जायजा

लोकेश कुमार

गुरुग्राम। भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने फर्रुखनगर मार्केट कमेटी के चेयरमैन दौलतराम के साथ अनाज मंडी का दौरा कर फसलों की स्थिति एवं खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में आए किसानों से सीधा संवाद कर फसल बिक्री के उनके अनुभव जाने तथा उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। संवाद के दौरान किसानों ने मंडी की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ समय पर मिल रहा है। किसानों की संतुष्टि बेहद उत्साहजनक है और उनके सुझाव व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का मुख्य आधार हैं। सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि किसानों की समृद्धि, उनके हितों की रक्षा और समस्याओं का त्वरित समाधान करना भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान समृद्ध होगा तो गाँव सशक्त होगा और इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। जिलाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में आने वाले किसी भी किसान को अपनी उपज बेचने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। पर जिला महामंत्री मनीष सैदपुर, मंडल अध्यक्ष अनिल सैनी, प्रवीन कौशिक, वरुण चौहान, बिजेन्दर परमार तथा मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन मान सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अफगानिस्तान में सड़क हादसा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के सुदूर उत्तरी प्रांत बदख्शां में एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने रविवार को पुलिस के हवाले से ये जानकारी दी। आरियाना न्यूज ने एक स्थानीय अधिकारी के हवाले से बताया कि कार कोफाब और याफ्ताल जिलों की ओर जा रही थी। अधिकारियों ने दुर्घटना के कारण का खुलासा नहीं किया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए प्रांतीय अस्पताल ले जाया गया है। बदख्शां एक पहाड़ी और कम आबादी वाला प्रांत है। यहां का इलाका काफी ऊबड़–खाबड़ है और सड़कों का बुनियादी ढांचा भी सीमित हैय इन्हीं वजहों से इस क्षेत्र में अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं।

कमान सराय ग्राउंड में पार्किंग फीस के नाम पर अवैध वसूली बंद करे नगर निगम : पंकज डावर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

गुरुग्राम। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने कमान सराय में नगर निगम द्वारा संचालित पेड पार्किंग और फीस वसूली का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे आम जनता के साथ अन्याय बताते हुए इस फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है। पंकज डावर ने कहा कि नगर निगम हर खाली जगह को कमाई का साधन बना रहा है, जो एक तरह से अवैध वसूली है। इस मैदान में गोपाल नगर कॉलोनी के निवासियों सहित बाजार, कोर्ट और सरकारी दफ्तरों में आने वाले हजारों लोग वाहन खड़े करते हैं। बिना कोई बुनियादी सुविधा दिए पार्किंग शुल्क वसूलना जनता का दोहरा शोषण है, क्योंकि सड़क किनारे गाड़ी खड़ी करने पर पहले से ही क्रेन और ट्रैफिक पुलिस भारी–भरकम चालान काटती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी शासित नगर निगम में भ्रष्टाचार हावी है। शहर की सड़कें टूटी हैं, नाले जाम हैं और कूड़े के ढेर लगे हैं, लेकिन निगम का ध्यान सिर्फ वसूली पर है। डावर ने कहा कि जहां पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है, वहां से कुछ ही दूरी पर टूटा हुआ सरकारी अस्पताल और बस अड्डा स्थित है, जिन्हें बनाने पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि नगर निगम ने कमान सराय में पार्किंग फीस वसूलने का फैसला तुरंत वापस नहीं लिया, तो कांग्रेस पार्टी आम जनता के साथ मिलकर धरना–प्रदर्शन करेगी और नगर निगम कार्यालय का घेराव करेगी। यदि आप इस खबर में कोई विशिष्ट बदलाव (जैसे शब्द सीमा, शीर्षक में बदलाव) करना चाहते हैं या इसे सोशल मीडिया पोस्टध्प्रेस रिलीज के प्रारूप में ढालना चाहते हैं